CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 34 ता.29 जुलाई 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

19 वर्षीय दीप्ति की सहायता के लिए आगे आए सचिन तेंदुलकर, डॉक्टर बनने में करेंगे मदद

रत्नागिरी। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले की 19 वर्षीय दीप्ति विश्वासराव की सहायता के लिए आगे आए हैं। दीप्ति विश्वासराव रत्नागिरी जिले का जारे गांव की निवासी है और अपने गांव की पहली महिला डॉक्टर बनने की ओर अग्रसर है। भले ही वह हर समय एक मेधावी छात्रा थी और हमेशा एक डॉक्टर बनने का सपना देखती थी, लेकिन उसके लिए इस लक्ष्य तक पहुंचना कभी भी इतना आसान नहीं था। कोरोना लॉकडाउन के दौरान वह हर रोज गांव से एक किलोीटर का सफर करती थी ताकि अपनी पढ़ाई ऑनलाइन जारी रख सके। दीप्ति की कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने नीट परीक्षा सफलतापूर्वक पास किया और अकोला में सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था, क्योंकि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने के बाद वह अपने पिता की मामूली आय के कारण फीस और अन्य खर्चों को वहन करने में असमर्थ थी। दीप्ति के रिश्तेदारों ने फीस में योगदान दिया लेकिन फिर भी उसके पास छात्रावास और अन्य खर्चों के लिए धन की कमी थी। जब वह उम्मीद खो रही थी तभी सचिन तेंदुलकर आगे आए और सेवा सहयोग फाउंडेशन के सहयोग से सुनिश्चित किया कि दीप्ति अपने सपनों को पूरा करे और गांव की पहली लड़की डॉक्टर बनने की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए अच्छी तरह से मेहनत करे। एसएसएफ के ट्विटर हैंडल से एक वीडियो संदेश में दीप्ति ने कहा, मैं सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे छात्रवृत्ति प्रदान की है। छात्रवृत्ति ने मेरे वित्तिय बोझ को हल्का कर दिया है जिससे मुझे अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रीत करने के लिए समय मिल गया है। अब डॉक्टर बनने का मेरा सपना पूरा हो सकेगा और सरकारी मेडिकल कॉलेज अकोला में यह वास्तविक बन रहा है।

अब जम्मू-कश्मीर में आई आफत

किश्तवाड़ में बादल फटने से 4 की मौत, 30 के लापता होने की सूचना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का कहर देखने को मिला है। किश्तवाड़ जिले में बुधवार तड़के बादल फटने से 40 से अधिक लोग लापता हो गए हैं। जिसके बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। अभी तक कई लोगों के शव मिल चुके हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार तड़के किश्तवाड़ जिले के होंजर दचान गांव में बादल फट गया। इसमें करीब 40 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अभी तक पांच लोगों के शव निकाल लिए गए हैं। बचाव अभियान जारी है। आपको बता दें कि जम्मू क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है। जुलाई के अंत तक और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही किश्तवाड़ में अधिकारियों ने जलाशयों और स्लाइड-प्रवण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने

● पुलिस कंट्रोल रूम के एक अधिकारी ने कहा कि आज यानी बुधवार तड़के करीब 4 बजे किश्तवाड़ जिले के दच्चन क्षेत्र के होंजर गांव में बादल फट गया। हमें रिपोर्ट मिल रही है कि 28 लोग लापता हैं। तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। अभी हमारे पास सटीक विवरण नहीं है। इलाके में कोई मोबाइल फोन कनेक्टिविटी नहीं है।

आने वाले दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ने की उम्मीद है, जो नदियों, नालों, जल निकायों और स्लाइड-प्रवण क्षेत्रों के पास रहने वाले निवासियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। जानकारी के अनुसार किश्तवाड़ जिले में भारी बारिश से ज्यादातर नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ गया है और बादल फटने से भी जल निकायों पर असर पड़ा है। पहाड़ी इलाका होने की वजह से भूस्खलन होने का खतरा बढ़ गया है। इसी को देखते हुए जिला पुलिस किश्तवाड़ की तरफ हैल्प डेस्क भी लगाया गया है और लोगों को घर रहने के लिए कहा है। साथ ही लोगों के लिए कई हैल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। इन नंबर पर फोन कर लोग किसी भी मुश्किल में मदद मांग सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश- किन्नौर जिले में फटा बादल-हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश ने तबाही मचा रखी है। भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन हुआ है, वहीं कई जगह सड़कें बंद हो गई हैं। किन्नौर जिले में बादल फट गया है, जिससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मंडी-कुल्लू का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। औट और कटौला मार्ग भारी बारिश के चलते जगह-जगह पर बाधित हुआ है। किन्नौर जिले के सांगला तहसील के रक्षम गांव के नजदीक सुबह नाले में बादल फट गया है। जिसके कारण सेब के बगीचे नुकसान होने की सूचना है। सांगला वैली में बटसेरी के बाद एक बार फिर रक्षम में बादल फटने से लोग परेशानी में पहुंच गए हैं। बादल फटने की सूचना पूर्व प्रधान रक्षम टीकम नेगी ने दी है। वहीं, मंडी-कुल्लू का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। औट और कटौला मार्ग भारी बारिश के कारण जगह-जगह पर बाधित हुआ है। लाहौल के लिए रवाना हुई एनडीआरएफ की टीम के व्हीकल्स भी फंस गए हैं। वहीं चंबा जिले में भरमौर-पठानकोट एनएच समेत 23 संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। मूसलाधार बारिश अब कहर बरपा रही है। बंद पड़े मार्गों को बहाल करने में एनएच और लोनिवि की टीमें जुटी हैं। पुरुवाला-सालवाला चौक पर बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। मकान और दुकानें ढहने का खतरा बढ़ गया है।

हरियाणा से बिहार जा रही बस के साथ अयोध्या में हादसा

18 लोगों की मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक भीषण सड़क हादसे में 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जिले के रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर डबल डेकर बस को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। यह हादसा मंगलवार की देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। बताया जा रहा है कि बस हरियाणा से बिहार जा रही थी। बाराबंकी में अयोध्या सीमा पर कल्याणी नदी के पुल पर डबल डेकर बस रात करीब एक बजे एक्सल टूटने से खराब हो गई थी। तेज बारिश के कारण बस को किनारे खड़ी करके चालक और परिचालक उसकी मरम्मत करवा रहे थे। इसी बीच लखनऊ की ओर से जा रही तेज रफ्तार एक अनियंत्रित ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अधिकांश की मौत मौके पर ही हो गई। लखनऊ जोन के एडीजी सत्य नारायण सबत ने बताया कि बाराबंकी में राम सनेही घाट के पास बीती देर रात एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई है जबकि 19 घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस के नीचे फंसे शवों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।रात साढ़े तीन बजे तक चार लोगों के शव घटनास्थल पर दबे पड़े थे, जबकि 11 की मौत की पुष्टि सीएससी रामसनेहीघाट ने की। वहीं एक की मौत बाराबंकी जिला अस्पताल में हुई। कुल 18 बस यात्रियों की मौत हुई है। मृतकों में सुरेश यादव, इंदल महतो, सिकंदर मुखिया, मोनू साहनी, जगदीश साहनी, जय बहादुर साहनी, बैजनाथ राम, बलराम की अभी तक शिनाख्त हो सकी है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर पांच किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। तेज बारिश के कारण पुलिस को भी करीब आधे घंटे बाद घटना की जानकारी मिल सकी।

असम के कई जिलों में लगा लॉकडाउन तो यूपी-बिहार, दिल्ली में अनलॉक जारी

नई दिल्ली। भले ही देश में इस वक्त कोरोना के मामले कम हुए हैं, लेकिन देश में कई ऐसे राज्य हैं जहां पर अभी तक कोरोना के चलते वीकेंड लॉकडाउन लगाया जा रहा है क्योंकि वहां पर मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अब असम सरकार ने अगले आदेश तक गोलाघाट और लखीमपुर जिलों में पूर्ण लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी है। इन जिलों में कर्फ्यू का समय चौबीसों घंटे रहेगा। बता दें कि इससे पहले केरल सरकार ने भी बढ़ते मामलों को देखते हुए संपूर्ण लॉकडाउन लगाने की घोषण की थी। हालांकि, संपूर्ण लॉकडाउन सिर्फ शनिवार 24 और रविवार 25 जुलाई को रखा गया था। तो आइये जानते हैं कि उत्तर भारत के राज्यों में लॉकडाउन और अनलॉक को लेकर ताजा स्थिति क्या है।

बात अगर हरियाणा की करें तो यहां पर प्रदेश सरकार ने कुछ पाबंदियों के साथ लॉकडाउन 2 अगस्त तक बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हरियाणा सरकार ने कोरोना के

इन जिलों में कर्फ्यू का समय चौबीसों घंटे रहेगा। बता दें कि इससे पहले केरल सरकार ने भी बढ़ते मामलों को देखते हुए संपूर्ण लॉकडाउन लगाने की घोषण की थी। हालांकि, संपूर्ण लॉकडाउन सिर्फ शनिवार 24 और रविवार 25 जुलाई को रखा गया था।

चलते लॉकडाउन को शनिवार को एक हफ्ते और बढ़ाने का फैसला किया और अब यह 2 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। हालांकि, इस दौरान रेस्तरां, बार और क्लब को ढील दी गई है और अब उन्हें एक घंटे अधिक यानी रात 11 बजे तक खुले रखने की इजाजत मिल गई है।

दिल्ली में अनलॉक जारी

वहीं राजधानी दिल्ली में इस वक्त अनलॉक की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने धीरे-धीरे कुछ सभी प्रतिबंधों को हटाने का एलान कर दिया है। अब 50 फीसद कैपसिटी के साथ सिनेमाघरों को खोलने पर भी विचार किया जा रहा है। बता दें कि इससे पहले राजधानी दिल्ली में काफी लंबे समय तक लोगों ने लॉकडाउन का सामना किया है। क्योंकि यहां पर कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे थे। वहीं बिहार में भी इस वक्त अनलॉक की प्रकिया चल रही है। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने भी यहां पर प्रतिबंधो में ढील देने का निर्णय लिया है।

वोल्गा नदी के किनारे भारत रूसी सेनाएं करेंगी आतंक से लड़ने का महा युद्धाभ्यास

■ संयुक्त सैन्य अभ्यास के 12वें संस्करण में प्रत्येक पक्ष के 250 कर्मी भाग लेंगे।

■ 1 अगस्त से शुरू होगा महा युद्धाभ्यास

नई दिल्ली। भारत और रूस की सेनाएं 1 अगस्त से रूसी शहर वोल्गोग्राड में 13 दिवसीय महा युद्धाभ्यास इंद्र-21 में हिस्सा लेंगी। भारतीय सेना ने बुधवार को बताया कि संयुक्त युद्धाभ्यास के इस 12वें संस्करण में दोनों देशों के 250 सैनिक हिस्सा लेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और सशक्त बनाएगा व दोनों की सालों पुरानी दोस्ती पहले से अधिक मजबूत होगी। संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास में दोनों सेनाएं संयुक्त राष्ट्र के निर्देशों के तहत आतंकवाद रोधी अभियानों का अभ्यास करेंगी। इससे जवानों के अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से लोहा लेने का विश्वास और मजबूत होगा। सेना के मुताबिक यह दोनों देशों की लंबी दोस्ती में एक मील का पत्थर साबित होगा।

पीएम मोदी मुकदमेबाजी में फंसी परियोजनाओं का नहीं करेंगे शिलान्यास, इस रणनीति पर काम कर रही सरकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सूत्र वाक्य रहा है कि हमारी सरकार परियोजनाओं का शिलान्यास ही नहीं करती है, बल्कि उद्धाटन भी करती है। इस छवि को बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा मुकदमेबाजी में फंसी किसी भी परियोजना का शिलान्यास नहीं करने का फैसला किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से इस बाबत 6 जुलाई को सभी केंद्रीय मंत्रालयों को बाकायदा आदेश जारी किया गया है। इसके मद्देनजर सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने 26 जुलाई को एनएचएआई, एनएचएआईडीसीएल, मंत्रालय के संयुक्त सचिव (राजमार्ग), मंत्रालय के समस्त जोनल चीफ इंजीनियर व क्षेत्रीय अधिकारी (आरओ) को कार्यालय ज्ञापन भेजा है। इसमें पीएमओ के आदेश का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि

● प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से इस बाबत 6 जुलाई को सभी केंद्रीय मंत्रालयों को बाकायदा आदेश जारी किया गया है। इसके मद्देनजर सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने 26 जुलाई को एनएचएआई, एनएचएआईडीसीएल, मंत्रालय के संयुक्त सचिव (राजमार्ग), मंत्रालय के समस्त जोनल चीफ इंजीनियर व क्षेत्रीय अधिकारी (आरओ) को कार्यालय ज्ञापन भेजा है।

सभी केंद्रीय मंत्रालय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अदालतों में मुकदमेबाजी में फंसी किसी भी परियोजना का शिलान्यस करने का प्रस्ताव प्रधानमंत्री के पास नहीं भेजा जाएगा। इसका संदेश साफ है कि सरकार की समय पर काम पूरा करने की छवि को बनाए रखा जाए। पीएमओ ने यह भी कहा है कि यदि मुकदमा खारिज होता है तो मंत्रालय परियोजना में देरी से लागत बढ़ने का हर्जाना याचिकाकर्ता से वसूलने की अपील करेंगे। प्रधानमंत्री के पास सिर्फ ऐसी परियोजनाओं का शिलान्यास कराने का प्रस्ताव भेजेंगे, जिनका भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो गया है और पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बजट मिल चुका हो। वन एवं पर्यावरण मंजूरी, जन सुविधाएं हटाने आदि की मंजूरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी हो। पीएमओ ने सख्ती से कहा है कि परियोजना का डीपीआर अथवा सर्वे करने के दौरान कंसल्टेंट फील्ड का दौरा कर निगरानी करेंगे। इससे संभावित देरी को टाला जा सके। त्रुटिपूर्ण डीपीआर बनने से परियोजना में देरी होती है, काम समय पर पूरा नहीं होता है और लागत बढ़ती है। पीएमओ ने त्रुटिपूर्ण डीपीआर बनाने वाले कंसल्टेंट की जबावदेही तय करने के आदेश भी दिए हैं।

केरल में चर्च का ऐलान

5 से अधिक बच्चों वाले ईसाई परिवार को देंगे आर्थिक सहायता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों के बीच केरल में एक कैथोलिक गिरजाघर ने पांच या अधिक बच्चों वाले परिवारों के लिए एक कल्याणकारी योजना की शुरुआत की है। केरल के कोट्टायम जिले के पाला में कैथोलिक चर्च ने ऐलान किया है कि पांच या अधिक बच्चों वाले परिवारों आर्थिक मदद मिलेगी। यह कहते हुए कि 'बच्चे भगवान की ओर से एक उपहार हैं', चर्च के पाला बिशप मार जोसेफ कल्लारंगट द्वारा जारी पत्र में चार से अधिक बच्चों वाले परिवारों को वित्तीय और शैक्षिक सहायता सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की सूची है। गिरजाघर के इस कदम को राज्य में समुदाय की संख्या को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन के तौर पर देखा जा रहा है। सिरो-मालाबार गिरजाघर के पाला डायोसिस के फैमिली अपोस्टोलेट ने 2000 के बाद जिनकी शादी हुई और उनके पांच या अधिक बच्चे हैं, तो उन दंपति को 1,500 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। फैमिली अपोस्टलेट का नेतृत्व करने वाले फादर कुट्टियानकल ने बताया, %यह घोषणा गिरजाघर के ईयर ऑफ द फैमिली उत्सव के हिस्से के तौर पर की गई है। इसका मकसद खास तौर पर कोविड-19 काल के बाद बड़े परिवारों को आर्थिक सहायता मुहैया कराना है। हमें इस संबंध में जल्द ही आवेदन मिलने लगेंगे और संभवतः हम अगस्त से सहायता राशि देना भी शुरु कर देंगे।

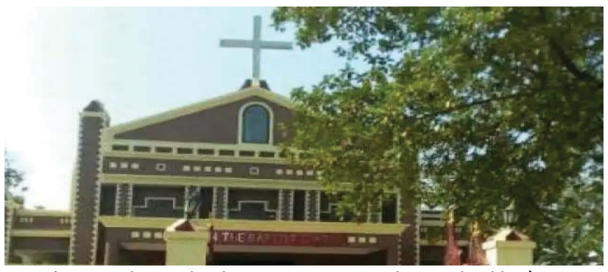

इस योजना की घोषण सोमवार को बिशप जोसेफ कलारागंट ने एक ऑनलाइन बैठक में की। हालांकि इस कदम को 2019 में चांगानाचेरी आर्चडायोसिस द्वारा केरल में ईसाइयों की जनसंख्या घटने संबंधी जानकारी को लेकर लिखे गए पत्र से जोड़कर पूछे गए सवाल पर फादर कुट्टियानकल ने कहा कि यह मुद्दा वास्तविक है।

उन्होंने कहा, यह वास्तविकता है कि केरल में ईसाई समुदाय की जसंख्या नीचे गिर रही है। हमारा वृद्धि दर कम है। योजना के पीछे यह भी कदम हो सकता है लेकिन तत्कालीन वजह महामारी काल में जरूरतों को पूरा करने में बड़े परिवारों को आ रही दिक़्क़तों से उन्हें कुछ राहत प्रदान करना है।

आर्चबिशप मारजोसेफ पेरूमथोट्टम की ओर जारी पत्र में कहा गया था कि केरल के गठन के दौरान ईसाई राज्य का दूसरा सबसे बड़ा समुदाय था लेकिन अब राज्य की कुल आबादी का अब वे 18.38 फीसदी ही हैं। हाल के वर्षों में ईसाई समुदाय में जन्म दर घटकर 14 प्रतिशत रह गई। गिरजाघर ने कहा कि इसके द्वारा संचालित अस्पताल में चौथे बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं को प्रसव शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा।

CMYK

सार समाचार

यूपी में एसपी-एनसीपी गठबंधन की संभावना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हालांकि समाजवादी पार्टी ने अभी तक गठबंधन पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन राकांपा महासचिव और यूपी प्रभारी के.के. शर्मा ने कहा, पवार साहब बिल्कुल यही चाहते हैं। हमें हर राज्य में भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए मुख्य विपक्षी दल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ना चाहिए। यूपी में मुख्य विपक्षी दल सपा है। एनसीपी सूत्रों ने कहा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने हाल ही में दिल्ली में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है। गठबंधन सहयोगियों ने अभी तक इस बात पर चर्चा नहीं की है कि वे कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष उमा शंकर यादव ने कहा कि अंकगणित पर काम किया जा रहा है। हम कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। हम केवल यूपी विधानसभा में हमारे कुछ विधायकों को चाहते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को देखने पहुंची उमाभारती

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। वह लगातार वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता उमा भारती ने बुधवार को पीजीआई पहुंचकर कल्याण सिंह का हालचाल लिया। उमा भारती ने डॉक्टरों और परिजनों से उनके स्वास्थ्य के बारे में बातचीत भी की। इस दौरान उमा भारती ने ट्वीट कर कहा कि आज पीजीआई लखनऊ में कल्याण सिंह जी के हाल-चाल जानने के लिए पहुंची। मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वह हम सब लोगों के बीच स्वस्थ होकर जल्द वापस आएं। उत्तर प्रदेश एवं भारत में भाजपा की जो मजबूत स्थिति बनी है उसमें कल्याण सिंह जी का बड़ा योगदान है तथा आगे भी हमें उनकी छत्रछाया की जरूरत है। इससे पहले यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ मंगलवार को कल्याण सिंह से मिलने पीजीआई गए थे। कल्याण सिंह को 4 जुलाई को नाजुक अवस्था में पीजीआई शिफ्ट किया गया था। क्रिटिकल केयर मेडिसिन के आईसीयू में उपचार होने के करीब चार दिन बाद कल्याण की तबीयत में काफी सुधार हुआ। वह लोगों से बातचीत करने के साथ उनका जवाब भी दे रहे थे। 17 जुलाई को सांस लेने में तकलीफ बढ़ने पर ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया।

येदियुरप्पा से मार्गदर्शन लेंगे कर्नाटक के नए सीएम बोम्मई

बेंगलुरू। कर्नाटक के मनोनीत मुख्यमंत्री बसवराज एस. बोम्मई ने कहा है कि वह निवर्तमान मुख्यमंत्री बी.एस.येदियुरप्पा के मार्गदर्शन पर कार्य करेंगी। उन्होंने कहा, परियोजनाओं को पूरा करना, येदियुरप्पा की नीतियां मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मैं प्रशासन के मामलों में येदियुरप्पा की सलाह लूंगा। बोम्मई ने कहा, मैं पार्टी के दर्शनशास्त्र को ईमानदारी से लागू करूंगा। पार्टी और सरकार के बीच अच्छा समन्वय सुनिश्चित करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि मुख्यमंत्री पद पर उनके पास आएगा। उन्होंने कहा, मैं नेताओं से मिलने नई दिल्ली नहीं गया था। इसके बावजूद नेताओं ने मुझे इस पद के लिए चुना है। यह अवसर चुनौतीपूर्ण है क्योंकि कोविड, बाढ़ की स्थिति को संभालना है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार महिलाओं और दलित वर्गों पर विशेष जोर देने के साथ गरीब समर्थक, जन-समर्थक सरकार बनने जा रही है। कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने वाले केंद्रीय नेताओं से मिलने के बाद, बोम्मई बुधवार को येदियुरप्पा के आवास पर गए और शपथ ग्रहण समारोह से पहले उनका आशीर्वाद लिया।

मुंबई के अंधेरी में गिरी चार मंजिला इमारत, छह लोग घायल

मुंबई। मुंबई के उपनगरीय इलाके अंधेरी में मंगलवार देर रात चार मंजिला इमारत का एक हिस्सा ढहने से एक दमकल कर्मी सहित छह लोग घायल हो गए। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जुहू गली में सलामी होटल के पास मेहता बाबू चॉल का उत्तर दिशा की ओर का हिस्सा देर रात करीब साढ़े 12 बजे ढह गया। घटना में एक बुजुर्ग, एक दमकल कर्मी सहित छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी 'कूपर हॉस्पिटल' में भर्ती कराया गया है। दमकल कर्मी विश्वास रहाते (51) को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा, ''इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर 10 लोग फंसे थे, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया है।'' दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अभी घटनास्थल पर दमकल की चार गाड़ियां मौजूद हैं और नगर निगम तथा पुलिस कर्मियों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार का मिशन निर्यातक बनो

जयपुर। मिशन निर्यातक बनो एक नया अभियान है जिसे राजस्थान सरकार ने राज्य में इच्छुक निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया है। राजस्थान सरकार का औद्योगिक विभाग और राजस्थान औद्योगिक विकास और निवेश निगम (आरआईआईसीओ) विदेशों में अपने व्यवसाय का विस्तार करने के इच्छुक स्थानीय व्यापारियों को संभालने के लिए एक संयुक्त मिशन पर हैं। सूत्रों ने कहा कि कार्यक्रम की पहली ओरिएंटेशन बैठक मंगलवार को आयोजित की गई, जिससे कार्यक्रम की ऑनलाइन शुरुआत हुई। सूत्रों ने कहा, यह सभी जिले में संबंधित जिला उन्मुखीकरण बैठकों के साथ शुरू किया जाएगा। अभियान मिशन निर्यातक बनो की योजना छह चरणों में है और इसमें प्रशिक्षण से सहायता, आवश्यक दस्तावेज हासिल करना, राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकरण और यहां तक कि निर्यात और व्यापार संचालन में सहायता शामिल है। अभियान के तहत आरईपीसी के पंजीकरण और सदस्यता शुल्क में भी छूट दी जाएगी। राजस्थान सरकार की सहायक नीतियों का पालन करते हुए पारंपरिक हस्तशिल्प और उत्पादों के साथ-साथ गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने वाले कई नए उद्योग राज्य में आ रहे हैं।

जनवरी 2022 में आ सकते हैं सीएए के नियम, सरकार ने संसद को दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोदी सरकार द्वारा लाए गए नागरिकता संशोधन कानून के नियम अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। यही कारण है कि गृह मंत्रालय ने सीएए 2019 के नियमों को तैयार करने के लिए 6 महीने का और वक्त मांगा है। संसद में गृह मंत्रालय की ओर से एक सवाल के जवाब में कहा गया है कि 9 जनवरी 2022 तक इसके लिए वक्त मांगा गया है ताकि नागरिकता संशोधन विधेयक के नियमों को तैयार किया जा सके। कुल मिलाकर कहें तो कोरोना वायरस के कारण सीएए के नियम आने में देरी हुई लेकिन जनवरी 2022 में इससे जुड़े सभी नियम सामने आ सकते हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत सांविधिक नियम बनाने केलिए लोकसभा और राज्यसभा की 'अधीनस्थ विधान संबंधी समितियों' से अगले साल नौ जनवरी तक का अतिरिक्त समय-विस्तार का आग्रह किया है। उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। राय ने कहा, ''सीएए को 12 दिसंबर, 2019 को सूचित किया गया औरी 10 जनवरी, 2020 को प्रभावी हो गया। सीएए के तहत सांविधिक नियम बनाने के लिए लोकसभा और राज्यसभा की 'अधीनस्थ विधान संबंधी समितियों' से अगले साल नौ जनवरी तक का अतिरिक्त समय-विस्तार का अनुरोध कियागया है।

आपको बता दें सीएए के आने के बाद देश के कई हिस्सों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। दिल्ली का शाहीन बाग का इलाका सीएए के विरोध प्रदर्शन का गढ़ बन गया था। कई राजनीतिक दल लगातार सीएए को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाते रहे हैं। दूसरी ओर माना जा रहा है सीएए के नियम बनाने में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि इसमें जटिलताएं बहुत है। इससे पहले मंत्रालय ने इस कानून से जुड़े संसदीय समिति से 9 अप्रैल को 3 महीने का वक्त मांगा था। लेकिन अब एक बार फिर से मंत्रालय की ओर से 6 महीने का और वक्त मांगा गया है।

ब्लैक फंगस के मरीज भी नकदरहित सर्जरी योजना का उठा सकते हैं लाभ: सत्येंद्र जैन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष की नकदरहित सर्जरी योजना का विस्तार ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के मरीजों के इलाज तक कर दिया है। दिल्ली सरकार ने ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 27 मार्च को इसे महामारी घोषित कर दिया था। जैन ने ट्वीट किया, ''दिल्ली सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष की अपनी नकदरहित सर्जरी योजना का विस्तार म्यूकरमाइकोसिस के इलाज के लिए कर दिया है। दिल्ली सरकार के अस्पताल में म्यूकरमाइकोसिस का इलाज करा रहे दिल्ली के निवासियों को इलाज के लिए इस नकदरहित योजना के तहत चयनित निजी अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है।''

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में छह जुलाई तक ब्लैक फंगस के 952 मरीजों का इलाज चल रहा था। साथ ही छह जुलाई तक ब्लैक फंगस के 1,650 मामले दर्ज किए गए। सरकार दिल्ली आरोग्य कोष के तहत सरकारी अस्पतालों में किसी भी बीमारी के इलाज के लिए जरूरतमंद मरीजों को पांच लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मुहैया कराती है। केवल दिल्ली के निवासी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

क्या दिल्ली में खुलने चाहिए स्कूल और कॉलेज? शिक्षा मंत्री ने अभिभावकों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना की दूसरी लहर में अब संक्रमण के मामलों में कमी आने लगी है। इसी बीच स्कूलों और कॉलेजों को फिर से खोलने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि कई राज्यों ने स्कूलों को खोल दिया है। इसी संबंध में दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने अभिभावकों से सुझाव मांगे हैं। शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों के विषय पर अभिभावकों के सुझाव जानने के लिए ईमेल आईडी जारी की।

आपको बता दें कि दिल्ली के अभिभावक केजरीवाल सरकार को अपने सुझाव delhischoolswv@gmail.com पर भेज सकते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में स्कूल और कॉलेज खोलने से पहले मैं स्कूल और कॉलेज के छात्रों, प्रिंसिपल, शिक्षकों और माता-पिता से पूछना चाहता हूं कि क्या अब हमें स्कूल और कॉलेज खोल देना चाहिए ? अगर खोलना चाहिए तो आपके इस पर क्या सुझाव हैं ? सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में रोजाना 70-75 हजार कोरोना के टेस्ट हो रहे हैं। जिसमें से 40-50-60 लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रण में है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप ईमेल में अपना नाम, स्कूल/कॉलेज का नाम लिखिए। इसके अलावा आप बहुत लंबा नहीं महज 100 शब्दों का सुझाव हमें भेजिए। आपके सुझाव के आधार पर सरकार इस पर अपना फैसला करेगी।

एनईपी: शिक्षा सुधारों के एक वर्ष पूरा होने पर 29 जुलाई को पीएम मोदी करेंगे संवाद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सुधारों के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में नीति निमार्ताओं, छात्रों, शिक्षकों को संबोधित करेंगे। वह इस दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई पहल की भी शुरूआत करेंगे। बुधवार को यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी।

प्रधानमंत्री कार्यक्रम में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का शुभारंभ करेंगे जो उच्च शिक्षा में छात्रों के लिए कई प्रवेश और निकास का विकल्प प्रदान करेगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग कार्यक्रम और उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए दिशानिर्देश भी जारी करेंगे। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की जाने वाली पहलों में ग्रेड 1 के छात्रों के लिए तीन महीने का नाटक आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल विद्या प्रवेश, माध्यमिक स्तर पर एक विषय के रूप में भारतीय सांकेतिक भाषा, एनआईएसएचटीएचए 2.0, एनसीआरटी द्वारा डिजाइन किया गया शिक्षक प्रशिक्षण का एक एकीकृत कार्यक्रम, सफल (सीखने के स्तर के विश्लेषण के लिए संरचित मूल्यांकन), सीबीएसई स्कूलों में ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए एक योग्यता आधारित मूल्यांकन ढांचा और एक वेबसाइट जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को समर्पित होगा, शामिल हैं। इसके अलावा, यह कार्यक्रम राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा ढांचे (एनडीईएआर) और राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी फोरम (एनईटीएफ) के शुभारंभ का भी साक्षी बनेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये सारी पहल एनईपी 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे शिक्षा क्षेत्र को अधिक जीवंत और सुगम बनाने में मदद मिलेगी। एनईपी, 2020 सीखने के परिदृश्य को बदलने वाला, शिक्षा को समग्र बनाने और एक आत्मनिर्भर भारत के लिए मजबूत नींव बनाने के लिए मार्गदर्शक के रूप में है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और चौंतीस वर्षीय पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 की जगह लेती है। सबके लिए आसान पहुंच, इक्विटी, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित यह नई शिक्षा नीति सतत विकास के लिए एजेंडा 2030 के अनुकूल है और इसका उद्देश्य 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल स्कूल और कॉलेज की शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला बनाते हुए भारत को एक ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति में बदलना और प्रत्येक छात्र में निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

लोकसभा में कांग्रेस सांसदों ने फाड़े पर्चे, अनुराग ठाकुर ने विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के मानसून सत्र के दौरान लगातार हंगामा हो रहा है। लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस सांसदों ने जमकर हंगामा किया और पर्चे फाड़कर लहराए। लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी और ट्रेजरी बेंच पर भी विपक्ष ने फटे पर्चे फेंके और प्ले कार्ड लहराए। विपक्ष ने पेगासस जासूसी कांड पर चर्चा से सरकार पर भागने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, सत्तापक्ष ने सदन की मर्यादा तार-तार करने का आरोप विपक्ष पर लगाया। इस बीच लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में हुए हंगामे पर मीडिया से बातचीत में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों पर सदन की मयार्दा तोड़ने का आरोप लगाया । उन्होंने कहा, विपक्ष की ओर से कभी स्पीकर पर, कभी मंत्रियों पर कागज फेंकना, अब तो प्रेस गैलरी तक कागज फेंके जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। आखिर विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा है?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कभी मंत्री को सदन में स्टेटमेंट नहीं देने दिया जाता। कभी मंत्री के हाथ से कागज फाड़कर फेंक दिए जाते हैं। विपक्ष हिंदुस्तान के लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, विपक्ष सदन की इज्जत को तार-तार क्यों कर रहा है? क्या विपक्ष इस लोकतंत्र को नीचे गिराने का कार्य कर रहा है? क्या विपक्ष के पास चर्चा के लिए विषय नहीं है?

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी से सवाल करते हुए कहा, क्या पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर अब तक विपक्ष की ऐसी भूमिकाएं थीं। सदन को आप चर्चा के लिए इस्तेमाल करेंगे या इसकी इज्जत तार-तार करेंगे?

पेगासस को लेकर संसद में विपक्ष की आवाज कम कर रही है सरकार : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए संसद में विपक्ष की आवाज को कम करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार ने देश के लोगों के खिलाफ पेगासस हथियार का इस्तेमाल किया है।

उनकी टिप्पणी पेगासस टैपिंग मुद्दे पर सरकार के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए दिन में 14 विपक्षी दलों की बैठक के बाद आई है, जो एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया है। पेगासस मुद्दे पर विपक्ष केंद्र पर लगातार हमलावर है इसकी वजह से संसद में भी हंगामा देखने को मिल रहा है, जिसके कारण मानसून सत्र बार-बार स्थगित करना पड़ रहा है। मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, पूरा विपक्ष यहां है। संसद में हमारी आवाज पर अंकुश लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम केवल यह पूछ रहे हैं कि क्या पेगासस सॉफ्टवेयर खरीदा गया था और क्या इसका इस्तेमाल भारत में कुछ लोगों के खिलाफ किया गया था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, सरकार ने कहा है कि कोई चर्चा नहीं.. हमें सदन के पटल पर चर्चा क्यों नहीं करनी चाहिए? (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी ने एक हथियार (पेगासस) डाल दिया है और हमारे फोन पर जासूसी कर रहे हैं। राहुल गांधी के अलावा शिवसेना, सीपीआई और सीपीएम, राष्ट्रीय जनता दल, आप और डीएमके के कई विपक्षी नेता बैठक का हिस्सा थे, जो पेगासस टैपिंग मुद्दे पर सरकार के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए की गई थी।

बादल फटने से मची तबाही में दस लोग लापता, बीआरओ के चार जवान भी इसमें शामिल

शिमला (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में बुधवार तड़के बादल फटने से मची तबाही में पानी के बहाव में बहने वाले दस लोगों में चार जवान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के भी है। बादल फटने के बाद जिला मुख्यालय केलांग से करीब 15 किलोमीटर दूर उदयपुर अनुमंडल में टोजिंग नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद यह आपदा आई। पुलिस अधीक्षक मानव वर्मा ने बताया कि लापता लोगों में चार बीआरओ के जवान और एक दूरसंचार कंपनी के दो मजदूर शामिल हैं। वे एक वाहन में पांगी-किलार की ओर जा रहे थे, जो बादल फटने से आई अचानक बाढ में बह गये। उन्होंने कहा कि घायलों में से एक को कुल्लू शहर के एक सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जबकि तीन लोगों को बचा लिया गया। मिल रही जानकारी के मुताबिक मनाली-लेह राजमार्ग पर भी बड़े पैमाने पर भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हुआ हैं और हाईवे पर सैलानियों समेत कई वाहन फंस गए हैं। मंडी शहर के आगे कई जगहों पर भूस्खलन के कारण मंडी-कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग भी चंडीगढ़ से कट गया है। बताया जा रहा है कि सार्वजनिक परिवहन और पर्यटक वाहन वहीं फंस गए हैं।

इस बीच भारी बारिश के चलते बीआरओ ने मनाली-लेह हाईवे और मनाली-उदयपुर हाईवे को बंद कर दिया है। पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अगले आदेश तक मनाली से केलांग होते हुए लेह की ओर जाने पर रोक लगा दी गई है। चम्बा-पठानकोट नेशनल हाईवे पर पानी के तेज बहाव में बहा एक व्यक्ति, सर्च ऑपरेशन जारी। नेशनल हाईवे सहित जिला की कई सड़कें बंद। चंबा जिला प्रशासन ने लोगों से एहतियात बरतने की अपील की। सरकार ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए एक सलाह जारी की है कि वे ऊंचे पहाड़ों, नदियों के पास घूमने और भूस्खलन की चपेट में आने वाले अन्य स्थानों से दूर रहें। इस बीच भारी बारिश के चलते लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन ने एक एडवाइजरी जारी की है।

लाहौल-स्पीति के जिलाधीश नीरज कुमार ने बताया कि लाहौल घाटी में बहुत अधिक बारिश होने की वजह से आई बाढ की वजह से अब तक तोजिंग नाले में तीन गाडियां नाले के बहाव में बह गई उन्होंने बताया कि तांदी उदयपुर सडक मार्ग पर दो गाडियों में लोग फंस गये इनमें एक गाडी पांगी जा रही थी तो दूसरी जालमा की ओर जा रही थी लेकिन यहां तीन गाडियां तोजिंग नाले में बह गई जिसमें से दस लोग पानी के बहाव में बह गये अभी तक दो शव बरामद किये जा चुके हैं बाकि लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मनाली लेह मार्ग भी यातायात के लिये बाधित है। बारिश की वजह से उदयपुर से लेकर पांगी और काजा से केलांग के बीच भी बरसाती नालों में उफान से सड़क जगह-जगह बाधित हुई हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल सड़क बहाली तक पर्यटकों के अलावा अन्य सभी लोग पूरी एहतियात बरतें और सफर ना करें। बीआरओ सड़क की बहाली में जुट गया है। उन्होंने कहा कि रात को मनाली-लेह सड़क मार्ग पर भी यातायात बंद रहेगा। जिलाधीश ने बताया कि लेह प्रशासन से भी इस सम्बंध में सूचना प्राप्त हुई है। लिहाजा पर्यटक और अन्य लोग सावधानी बरतें और सड़क बहाल होने के बाद ही आगे का सफर जारी करें।

सार समाचार

इजराइली बलों ने एक फलस्तीनी पर चलाई गोली, सैनिकों ने दी थी चेतावनी

यरूशलम। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बलों ने मंगलवार को एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। इजराइली सेना ने कहा कि मारा गया शख्स लोहे की छड़ लहराता हुआ सैनिकों के पास आ गया था। शादी उमर (41) को बेता कस्बे के पास गोली मारी गई जहां के निवासियों ने अनधिकृत इजराइली चौकी के खिलाफ कई हफ्तों तक प्रदर्शन किया था। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि ओमर हाथ में लोहे की छड़ लिए तेजी से इजराइली सैनिकों की तरफ बढ़ रहा था। उसने कहा कि चेतावनी स्वरूप गोली चलाए जाने के बाद भी वह शख्स आगे बढ़ता रहा और उसे फिर गोली मार दी गई। एवियातर चौकी के पास के गांवों से फलस्तीनियों ने कहा कि चौकी उनकी जमीन पर बनाई गई और उन्हें डर है कि यह बड़ी बसावटों के साथ न मिला लिया जाए। पिछले महीने चौकी स्थापित करने के खिलाफ लगभग हर दिन प्रदर्शन हुए थे जिसमें प्रदर्शनकारियों ने इजराइली सैनिकों पर पथराव किया था और उसने जवाब में आंसू गैस और गोलियां दागी थी। झड़पों में कम से कम चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी।

इक्काडोर की अदालत ने जूलियन असांजे की नागरिकता रद्द की

क्वीटो। इक्काडोर ने विकीलीक्स के संस्थापक और इस समय ब्रिटेन की जेल में बंद जूलियन असांजे की नागरिकता रद्द कर दी है। इक्काडोर की न्याय प्रणाली ने दक्षिण अमेरिकी देश के विदेश मंत्रालय द्वारा दायर एक दावे के जवाब में एक पत्र में ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे को उनकी नागरिकता रद्द किए जाने के बारे में आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया। किसी विदेशी को देश में निश्चित समय तक रहने के बाद मिली नागरिकता को तब हानिकारक माना जाता है, जब इसे प्रासंगिक तथ्यों को छिपाकर, झूठे दस्तावेजों या धोखाधड़ी के आधार पर दिया गया हो। इक्काडोर के अधिकारियों ने कहा कि असांजे को दी नागरिकता के संबंध में कई विसंगतियां, अलग-अलग हस्ताक्षर, दस्तावेजों से संभावित छेड़छाड़, शुल्क का भुगतान नहीं करना और अन्य समस्याएं पाई गई हैं। असांजे के वकील कार्लोस पोवेदा ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि फैसला उचित प्रक्रिया के बिना किया गया और असांजे को मामले में पेश होने की अनुमति नहीं दी गई। पोवेदा ने कहा कि वह निर्णय के स्पष्टीकरण के लिए अपील दायर करेंगे। पावेदा ने कहा, 'नागरिकता की महत्ता से अधिक यह अधिकारों का सम्मान करने और नागरिकता वापस लेने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करने का मामला है।''

बांग्लादेश में 19 आतंकवादी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के चट्टोग्राम शहर में जमात-ए-इस्लामी के कम से कम 19 आतंकवादी नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों को सोमवार देर रात अदुरपारा के मजार लेन स्थित रंगुनिया बिल्डिंग के एक घर से गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि उग्रवादी नेताओं ने कई समूहों को सरकार को हटाने के लिए प्रेरित किया था और ढाका-चटगांव और कॉक्स बाजार-चटगांव राजमार्गों पर महत्वपूर्ण स्थानों और सरकारी संस्थानों को बाधित करके तोड़फोड़ की कोशिश की थी। पुलिस को विभिन्न स्थानों पर इसके बारे में गुप्त गतिविधियों की खुफिया रिपोर्ट मिली थी। विशेष रूप से, इस्लाम के नाम से आतंकवादी युद्ध अपराधी संगठन द्वारा सरकार के खिलाफ वार्ड आधारित प्रेरक गतिविधियां, करने और निर्दोष लोगों को ब्लैकमेल करने जैसी रिपोर्ट मिलने के बाद ये कार्रवाई की गई।

ब्लिंकन ने नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से फोन पर बात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। साथ ही नेपाल को कोविड सहायता उपलब्ध कराने को लेकर भी वार्ता हुई। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि ब्लिंकन और देउबा ने अमेरिका-नेपाल के बीच साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और हाल ही में अमेरिका द्वारा नेपाल को दान दिए गए 15 लाख टीके और कोविड-19 संबंधी अन्य सहायता के बारे में भी चर्चा हुई।

यूएस विदेश विभाग का बड़ा बयान, भारत के ग्लोबल पावर के तौर पर उभरने का समर्थन करता है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि वह भारत के अग्रणी वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का समर्थन करता है और रणनीतिक हिन्द-प्रशांत को शांति, स्थिरता का क्षेत्र बनाने में व्यापक साझेदार के रूप में उसकी भूमिका को स्वीकार करता है। विदेश विभाग ने एक तथ्य पत्र में कहा कि अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। इसने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के भारत पहुंचने के बाद कहा कि भारत के अग्रणी वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का अमेरिका समर्थन करता है और रणनीतिक हिन्द-प्रशांत को शांति, स्थिरता का क्षेत्र बनाने में व्यापक साझेदार के रूप में उसकी भूमिका को स्वीकार करता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दो दिवसीय भारत यात्रा पर मंगलवार को नयी दिल्ली पहुंचे। इस दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा अफगानिस्तान में तेजी से बदल रही सुरक्षा स्थिति पर विमर्श और क्वाड तंत्र के तहत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को विस्तारित करने जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। बुधवार को ब्लिंकन विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ गहन चर्चा करेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मिलेंगे। दो देशों के अपने दौरे के तहत कुवैत रवाना होने से पहले उनका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने का कार्यक्रम है। भारत रवाना होने से पहले ब्लिंकन ने कहा कि वह हिन्द-प्रशांत एवं पश्चिम एशिया में अपने साझा हितों के मद्देनजर सहयोग को और विस्तारित करने के लिए अमेरिका के साझेदारों के साथ चर्चा करने को उत्सुक हैं।

बीजिंग में तैयार हुआ 'प्लान अफगानिस्तान', काबुल में एंट्री की तैयारी में चीनी सेना

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

पिछले काफी समय से अफगानिस्तान लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। चाहे वो अमेरिकी सेना के काबुल छोड़ने की वजह से हो या फिर तालिबान के दोबारा उस पर कब्जे की साजिश। लेकिन हर देश में कभी व्यापार तो कभी निवेश के नाम पर घुसपैठ करने वाले चीन की नजर अब अफगानिस्तान पर है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद रिक्त स्थानों को भरने की कोशिश में तालिबान हथियारों के बल पर कब्जे की कोशिश में तो लगा ही है। इसके अलावा चीन भी अफगानिस्तान के अंदर मौके तलाश रहा है।

अमेरिका वाली गलती दोहरा रहा चीन?

2016 में अफगानिस्तान के वखान में चीनी सैन्य वाहन को पैट्रोलिंग करते देखा गया था। ये अफगानिस्तान में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की दस्तक की पहली घटना थी। चीन को अफगानिस्तान में पैट्रोलिंग की जरूरत क्यों पड़ गई? इस सावल का जवाब आपके आगे पता चलेगा। लेकिन एक बात तो एकदम साफ है कि चीन अफगानिस्तान में दाखिल होने की पूरी तैयारी में है। चीन और पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को ÷आतंकवाद का गढ़÷ बनने से रोकने और आतंकवादी ताकतों को वहां से निकालने के लिए युद्धग्रस्त देश में ÷संयुक्त कार्रवाई÷ शुरू करने का निर्णय लिया है। सबसे बड़ी विडंबना ये है कि पाकिस्तान द्वारा तालिबान का समर्थन जगजाहिर है। अमेरिका ने तालिबान से मुकाबले के लिए पाकिस्तान पर भरोसा किया। नतीजतन दो दशक के बाद निराशा के साथ उसे वापसी करनी पड़ी। चीन वही गलती दोहरा रहा है। चीन पाकिस्तान जैसे देश के साथ संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम देना चाहता है जिसके दहशतगर्दी को समर्थन जगजाहिर है। चीन ने पहले अफगानिस्तान में डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के जरिये वहां अपनी पैठ बनाने की शुरुआत की और अब पाकिस्तान के साथ मिल सैन्य कार्रवाई का प्लान बना रहा है।

पाक के साथ संयुक्त ऑपरेशन

कहानी की शुरुआत तब होती है जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी 24 जुलाई को चीन की यात्रा पर जाते हैं और अपने समकक्ष से बीजिंग में मुलाकात करते हैं। चेंगदू में वांग के साथ हुई वार्ता का मुख्य एजेंडा अफगानिस्तान रहा। अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रम चीन की चिंता बढ़ा रहे हैं क्योंकि उसकी सीमा भी अफगानिस्तान के साथ लगती है। अफगानिस्तान में अव्यवस्था से चीन भी अछूता नहीं रह सकता। चीनी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट की गई प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वांग ने कुरैशी के साथ हुई बातचीत में कहा कि एक पड़ोसी होने के नाते अफगान स्थिति का चीन और पाकिस्तान पर सीधा प्रभाव पड़ेगा इसलिए दोनों देशों के लिए यह आवश्यक है कि आपसी सहयोग को मजबूत करें और परिवर्तन पर प्रतिक्रिया दें। हालिया पाकिस्तान में अपने नागरिकों पर हुए हमले को लेकर पहले ही बहुत चिंतित है। चीन इस तरह की घटना को दोबारा नहीं होने देना चाहता है।

जवानों के जरिये प्रवेश के रास्ते को सुरक्षित करने में लगा चीन

चीन इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। पीएलए के सैनिक अफगान बॉर्डर नजदीक तैनात हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो एक हजार के करीब चीनी सैनिक पीओके में मौजूद हैं। पहले तो पीओके में चीनी निवेश और अब चीनी सैनिकों की मौजूदगी, जैसे मानों भारतीय संप्रभुता का उल्लंघन चीन की आदत में सुमार है। इसके साथ ही चीन ने तजिक-अफगान बॉर्डर पर अपने सैनिकों की तैनाती कर दी है। जिसकी वजह है चीन अफगानिस्तान में प्रवेश के रास्ते को सुरक्षित कर रहा है। 2016 से ही चीन अफगानिस्तान में एंट्री के लिए निगरानी में लगा था। चीन पहले से ही यहां प्रवेश की फिराक में था बस उसे तलाश थी एक अवसर की।

अफगानिस्तान को सीपीईसी का हिस्सा बनाएगा चीन

अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से तेजी से हो रही वापसी के बीच अपने हितों के लिए चीन ये खाली जगह भरने की तैयारी में है। चीन अब अफगानिस्तान को भी चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर सीपीईसी का हिस्सा बनाने की प्लानिंग कर रहा है। अफगानिस्तान में करीब 20 साल तक तालिबान और अलकायदा से जंग लड़ने के बाद अमेरिका अब वापस लौट रहा है। चीन अगर अपने मकसद में कामयाब होता है तो ये भारत की चिंता की बात हो सकती है। चीन कके मंसूबे यहां के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की है। इसी वजह से चीन करीब 62 अरब डॉलर के बेल्ट एंड रोड कॉरिडोर का हिस्सा कहे जाने वाले सीपीईसी का विस्तार अफगानिस्तान तक करना चाह रहा है। सूत्रों की माने तो अफगानी अधिकारी भी अब चीन की इस परियोजना के अपने देश में विस्तार पर विचार करने लगे हैं। चीन का मकसद बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये पूरी दुनिया को चीन से जोड़ने का है। इसके लिए वो कई देशों में भारी मात्रा में निवेश कर रहा है। सीपीईसी प्रोजेक्ट के तहत चीन सड़क, रेलवे और ऊर्जा पाइपलाइन बिछाने के लिए पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर लोन दे रहा है। इस परियोजना को साल 2049 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चीन पाकिस्तान के पेशावर शहर से अफगानिस्तान की राजधानी काबुल तक एक रोड बनाना चाह रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इस बारे में चीन और अफगान अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। काबुल और पेशावर के बीच रोड बनते ही अफगानिस्तान सीपीईसी का औपचारिक रूप से हिस्सा बन जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना का कहर बढ़ा, सिडनी में लॉकडाउन एक और महीने के लिए बढ़ा

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में एक और महीने के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है। न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार ने घोषणा की कि 50 लाख की आबादी वाले शहर में लॉकडाउन कम से कम 28 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला बुधवार को पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 177 नये मामले सामने आने के बाद लिया गया है। जून के मध्य में संक्रमितों के समूह मिलने के बाद से दैनिक मामलों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। न्यू साउथ वेल्स के सर्वोच्च नेता ग्लेडिस बेरेजिकलियन ने संवाददाताओं से कहा, ÷मैं आप लोगों जितनी ही उदास एवं हताश हूं कि हम मामलों को इस समय उतना कम नहीं कर पा रहे हैं जितना करना चाहिए था लेकिन यह असलियत है।÷ लिमोजीन कार के एक चालक के बेहद संक्रामक डेल्टा स्वरूप से 16 जून को संक्रमित मिलने के बाद से 2,500 से ज्यादा लोग एक समूह में संक्रमित पाए गए हैं। चालक सिडनी हवाईअड्डे से उसके द्वारा गाड़ी में ले जाए गए अमेरिकी विमान के चालक दल के एक सदस्य के संपर्क में आने से संक्रमित हुआ था। संक्रमित समूह में मरने वालों की संख्या बुधवार को 11 पर पहुंच गई जब 90 से अधिक वर्ष की एक महिला की सिडनी के अस्पताल में मौत हो गई।

बाइडेन ने किया अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दौरा, साइबर संघर्ष को लेकर किया सतर्क

मैकलीन (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय का दौरा किया और देश के खुफिया समुदाय से वादा किया कि वे उनके काम को लेकर ''कभी राजनीति'' नहीं करेंगे। राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद बाइडन मंगलवार को पहली बार राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के करीब 120 कर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट किया कि वे उनके काम की जटिलता एवं अहमियत समझते हैं। यह एजेंसी 17 अमेरिकी खुफिया संगठनों की निगरानी करती है। उन्होंने कहा, ''मुझे आपके ऊपर पूरा भरोसा है। मैं जानता हूं कि खुफिया जगत में शत- प्रतिशत निश्चितता जैसी कोई चीज नहीं है। ऐसा कभी-कभार ही होता है। यह बहुत दुर्लभ है।'' बाइडन ने कहा, ''मैं आपके काम को लेकर कभी राजनीति नहीं करूंगा। मैं आपको वचन देता हूं। यह हमारे देश के लिए बहुत जरूरी है।''

बाइडेन ने रूस और चीन को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ता खतरा बताया और उन्होंने सरकारी एजेंसियों एवं निजी उद्योग के खिलाफ रैनसमवेयर हमलों सहित बढ़ते साइबर हमलों का जिक्र किया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इन हमलों के पीछे दोनों देशों में एजेंटों का हाथ है। बाइडन ने कहा, ''मुझे लगता है कि इसकी बहुत संभावना है... अगर हमारा किसी बड़ी शक्ति के साथ वास्तव में आमने सामने का युद्ध होता है, जो इसका कारण साइबर उल्लंघन होगा।

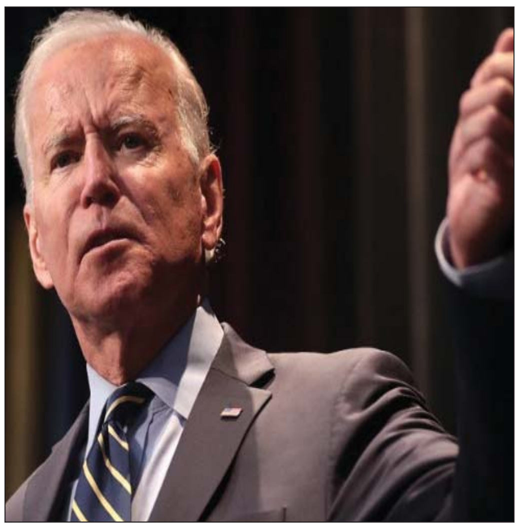

अमेरिका : कैपिटल भवन में हुई हिंसा के मामले की सुनवाई में दंगाइयों के नस्लवाद का मामला उठा

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी संसद भवन यूएस कैपिटल में छह जनवरी को हुई हिंसा के मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों दंगाइयों ने उन पर न केवल हथियारों, स्टेन गन और हाथों से हमले किए, बल्कि उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां भी कीं और उन पर देशद्रोह के आरोप लगाए। यूएस कैपिटल पुलिस के दो अधिकारियों और वॉशिंगटन डीसी में मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग के दो अधिकारियों ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि कैपिटल भवन पर हिंसा के दौरान उन्हें नस्लवादी टिप्पणियां झेलनी पड़ी।

कैपिटल पुलिस के अश्वेत अधिकारी हैरी डन ने सांसदों ने बताया कि जब उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक दंगाइयों को बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन को अपना वोट दिया है और उनका वोट गिना जाना चाहिए तो भीड़ में मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां कीं। कैपिटल पुलिस बल में 12 साल से अधिक समय से सेवाएं दे रहे डन ने बताया कि इसके बाद वहां मौजूद करीब 20 लोगों ने उनके खिलाफ नस्लवादी एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि वर्दी में उनके खिलाफ कभी किसी ने इस प्रकार की टिप्पणियां नहीं की और उस रात वह कैपिटल रोटंडा में बैठकर रोए थे। डन ने बताया कि एक अन्य अश्वेत अधिकारी ने भी उन्हें बताया था कि दंगाइयों ने उन्हें धमकाया और उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां कीं। सुनवाई कर रहे पैनल के अध्यक्ष एवं मिसिसिपी के डेमोक्रेटिक सांसद बेनी थॉम्पसन ने डन से पूछा कि लोकतंत्र के भवन में अफ्रीकी अमेरिकी अधिकारी होने के नाते नस्लवाद और नस्ली अपमान का सामना करने पर उनके मन में क्या विचार आए। इस पर डन ने कहा, ''यह बहुत दुःख पहुंचाने वाली बात है कि लोग केवल आपकी त्वचा के रंग के कारण आपके ऊपर हमला करें। मेरा भी खून लाल है। मैं एक अमेरिकी नागरिक हूं। मैं एक पुलिस अधिकारी हूं। मैं एक शांति अधिकारी हूं।' कैपिटल पुलिस के एक अन्य अधिकारी सार्जेंट एक्विलिनो गोनेल ने अपने आंसू पोंछते हुए कहा कि वह डोमिनिकन गणराज्य से अमेरिका आए, लेकिन यहां भी उन्हें ऐसे अमेरिकियों का सामना करना पड़ा, जो छह जनवरी को हुई हिंसा में कार्रवाई करने के लिए उन्हें देशद्रोही मानते हैं। उन्होंने कहा, ''अमेरिका और दुनिया ने देखा कि कैपिटल में हमारे साथ क्या हुआ था, लेकिन हमें उतना समर्थन नहीं मिला, जितनी हमें आवश्यकता थी।'' गोनेल ने कहा, ÷इसके विपरीत, पिछले साल 'ब्लैक लाइव्ज मैटर' प्रदर्शन के दौरान यूएस कैपिटल पुलिस को पूरा समर्थन मिला।

मोरक्को में गिरफ्तार हुआ एक उइगुर कार्यकर्ता, चीन ने किया था रेड नोटिस में शामिल

रबात। जयपुर (एजेंसी)।

मोरक्को के प्राधिकारियों ने इंटरपोल द्वारा जारी रेड नोटिस के आधार पर निर्वासन में रह रहे एक उइगुर कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तार चीन के अनुरोध पर की गयी है। मोरक्को पुलिस और चीन द्वारा हिरासत में लिए लोगों पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह ने यह जानकारी दी है। कार्यकर्ताओं को डर है कि यिदिरेसी एशान को चीन प्रत्यर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है तथा चीन के अपनी सीमाओं के बाहर असंतुष्टों पर कार्रवाई करने के वृहद अभियान का हिस्सा है। मोरक्को के राष्ट्रीय सुरक्षा महानिदेशालय ने मंगलवार को कहा कि एक चीनी नागरिक को इस्तांबुल से 20 जुलाई को कासाब्लांका के एक हवाईअड्डे पर उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। महानिदेशालय ने कहा कि इंटरपोल ने आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल एक संगठन से उसके जुड़े होने के संदेह में रेड नोटिस जारी कर रखा था।

रेड नोटिस का मतलब होता है कि इंटरपोल की सबसे ज्यादा वांछित संदिग्धों की सूची। उसने बताया कि इंटरपोल ने चीन के अनुराध पर यह नोटिस जारी किया था जिसने कार्यकर्ता के प्रत्यर्पण की मांग की है। एशान के मित्र और सहकर्मी अब्दुवेली अयुप ने बताया कि कम्प्यूटर इंजीनियर और तीन बच्चों के पिता एशान (33) 2012 से तुर्की में रह रहा है जहां उसने एक वेब डिजाइनर और कार्यकर्ता के तौर पर काम किया। उसके पास वहां के निवास दस्तावेज भी हैं। एशान ने उइगुर समुदाय के एक ऑनलाइन अखबार पर भी काम किया और चीन के शिनजियांग प्रांत में अत्याचारों के सबूत जुटाने में अन्य कार्यकर्ताओं की मदद की। तुर्की में बार-बार गिरफ्तार होने के बाद एशान 19 जुलाई को इस्तांबुल से रवाना हुआ। एशान ने शनिवार को अपनी पत्नी से बात की और कहा कि उसे प्रत्यर्पित किया जा रहा है। मोरक्को में इंटरपोल और चीनी दूतावास ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

प्रधानमंत्री इमरान खान के सहायक को कादियानी कहना विधायक को पड़ा भारी, हुआ गिरफ्तार

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सत्ताधारी दल के एक विधायक को प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सहायक को कथित तौर पर 'कादियानी' (अहमदिया अल्पसंख्यक समुदाय का सदस्य) कहने के लिए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तान में अहमदी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को कादियानी कहा जाता है। पाकिस्तान की संसद ने अहमदी समुदाय को 1974 में 'गैर मुस्लिम' करार दिया था। एक दशक बाद उन्हें खुद को मुसलमान कहने पर पाबंदी लगा दी गई थी। इस समुदाय के लोगों को प्रवचन देने और हज पर सऊदी अरब जाने की भी मनाही है। लाहौर पुलिस ने उत्तरदायित्व और आंतरिक मामलों पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक मिर्जा शहजाद अकबर की शिकायत पर 'पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ' (पीटीआई) के विधायक नजीर चौहान को गिरफ्तार कर लिया। चौहान पार्टी के अलग हो चुके समूह जहांगीर तरीन से जुड़े हैं और पंजाब प्रांत के विधायक हैं।

पंजाब पुलिस के प्रवक्ता राणा आरिफ ने पीटीआई-से कहा, 'पुलिस ने शहजाद अकबर की शिकायत पर विधायक नजीर चौहान के खिलाफ लाहौर के रेसकोर्स पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में चौहान को गिरफ्तार कर लिया।' प्रवक्ता ने कहा कि कथित तौर पर एक वीडियो में चौहान अकबर पर टिप्पणी करते दिखाई दे रहे हैं जिसकी आवाज की जांच के लिए उन्हें संघीय जांच एजेंसी की साइबर अपराध शाखा में रखा गया है। मई में चौहान ने एक टीवी टॉक शो में दावा किया था कि अकबर एक कादियानी हैं और उन्हें चुनौती दी थी कि वह कसम खाकर कहें कि वह मुस्लिम हैं, अहमदिया नहीं। इसके जवाब में अकबर ने लाहौर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर चौहान के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत ही नहीं दुनियाभर में पेगासस को लेकर मचा बवाल, इजराइली रक्षा मंत्री करेंगे फ्रांसीसी रक्षा मंत्री से चर्चा

यरुशलम (एजेंसी)।

इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्जइस सप्ताह पेरिस में अपनी फ्रांसीसी समकक्ष से मुलाकात करेंगे और दोनों इजराइली स्पाइवेयर कंपनी 'एनएसओ' पर चर्चा करेंगे। मंगलवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गैंट्ज बुधवार को फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली के साथ बैठक के लिए यात्रा करेंगे। दोनों रक्षा मंत्री लेबनान संकट और विश्व शक्तियों और ईरान के बीच परमाणु वार्ता पर चर्चा करेंगे। पिछले हफ्ते, एक फ्रांसीसी समाचार पत्र ने अपनी खबर में बताया था कि मोरक्को की सुरक्षा एजेंसी ने संभवतः फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांसीसी सरकार के अन्य सदस्यों के सेलफोन को निशाना बनाया था। इस तरह की खबरें सामने आई थी कि इजराइल के एनएसओ समूह का इस्तेमाल संभवतः कई देशों में राजनीतिज्ञों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को लक्षित करने के लिए किया गया है। मोरक्को की सरकार ने कुछ भी गलत काम करने से इनकार किया है। एनएसओ ने इस बात से इनकार किया है कि मैक्रों को निशाना बनाया गया था। मैक्रों ने संभावित कार्रवाई पर विचार करने के लिए पिछले सप्ताह एक आपात बैठक की थी।

संपादकीय

हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज के 163वें प्रकाश दिवस पर संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का शिकागो से संदेश

सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज (27 जुलाई, 1858- 2 अप्रैल, 1948) के 163वें प्रकाश दिवस के उपलक्ष्य में यू-ट्यूब पर लाइव टेलीकास्ट के ज़रिये समस्त मानव जाति को शुभकामनाएं दी।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने इस विशेष अवसर पर शिकागो से प्रसारित अपने संदेश में कहा कि, च्च्हम सब बहुत खुशनसीब हैं कि हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज ने हमें अध्यात्म के पथ पर अग्रसर किया। वे हमेशा यही चाहते थे कि हम अपने आपको जानें और पिता-परमेश्वर को पाएं। वे गरमाया करते थे कि हम सब प्रभु को इसी जीवन में पा सकते हैं और जीवन के परम उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं।

आगे उन्होंने गरमाया कि ऐसे संत-महापुरुष दुनिया में हमें परमात्मा से जोड़ने के लिए आते हैं। वे हमें बार-बार हमारे वास्तविक रूप आत्मा के बारे में समझाते हैं और हमें एक सदाचारी जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि हमारी अध्यात्म के रास्ते की नींव मजबूत हो। उन्होंने हमें ध्यान-अभ्यास का तरीका सिखाया जिससे कि हम प्रभु के प्यार और उसकी ज्योति का अनुभव अपने अंतर में कर सकते हैं।

अपने संदेश में उन्होंने आगे फरमाया कि हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज ने लाखों लोगों के जीवन को परमात्मा की ज्योति और श्रुति के साथ जोड़कर बदल दिया। उन्होंने हमें हमारे जीवन के वास्तविक उद्देश्य अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना के विषय में न केवल समझाया बल्कि अध्यात्म की इस यात्रा में हमारी हर कदम पर मदद भी की। उनके इस पावन संदेश को यू-ट्यूब पर हजारों लोग देख व सुन रहे थे।

बाबा सावन सिंह जी महाराज का जन्म 27 जुलाई, 1858 में ग्राम महिमा सिंह वाला, जिला लुधियाना, पंजाब में हुआ। अपने सत्संगों में वे समझाया करते थे कि हममें से हरेक पिता-परमेश्वर को पा सकता है क्योंकि यह हमारे मनुष्य जीवन पाने का मुख्य उद्देश्य है। हम सब पिता-परमेश्वर की अंश हैं।

अपने जीवन काल में उन्होंने यह फरमाया कि आने वाले समय में आध्यात्मिकता पश्चिम के देशों में बड़ी तेजी से फैलेगी। उनके पश्चात परम संत कृपाल सिंह जी महाराज और दयाल पुरुष संत दर्शन सिंह जी महाराज ने देश-विदेश की यात्राएं करके उनके रूहानियत के इस कार्य को दुनिया के कोने-कोने में फैलाकर हर जगह 'सावन-सावन' की बारिश कर दी। आज भी उसी रूहानी कार्य को सावन कृपाल रूहानी मिशन के वर्तमान सत्गुरु परम संत राजिन्दर सिंह जी महाराज विश्वभर में अनेक यात्राएं कर लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखा रहे हैं, जिससे कि हम अपने मनुष्य जीवन का परम ध्येय जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को इसी जीवन में पूरा कर सकें।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के आज संपूर्ण विश्व में 3000 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

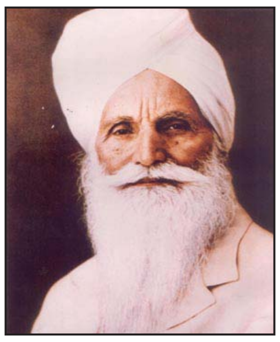

'आज के ट्वीट

सूरज

अगर आप सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो पहले सूरज की तरह जलो !

-- विवेक बिन्द्रा

बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर महामारी का असर

- ललित गर्ग

कोरोना महामारी के कारण बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। ज्यादातर राज्यों में जहां सवा साल से स्कूल बंद पड़े हैं, वहीं अस्पतालों में कोरोना पीड़ितों के दबाव के कारण बच्चों का इलाज प्रभावित हुआ है, उन्हें समुचित चिकित्सा सुविधाएं सुलभ नहीं हो पायी है। महामारी के दौरान दो करोड़ तीस लाख बच्चों को डीटीपी का टीका नहीं लग पाया है, जो चिंताजनक स्थिति है। छोटे बच्चों को डिप्थीरिया, टिटनेस और पर्टुसिस (काली खांसी) से बचाने के लिए ये टीके जीवन रक्षक हैं। डीटीपी टीकाकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पोलियो, चेचक जैसी बीमारियों से बचाने वाले टीके हैं। दुनिया में आबादी का बड़ा हिस्सा खासतौर से बच्चे पहले ही कुपोषण से जूझ रहे हैं। ऐसे में अगर बच्चे को जीवन रक्षक टीके नहीं लग पायेंगे तो बच्चे कैसे स्वस्थ कैसे जीयेंगे? महामारी ने बच्चों की जिन्दगी को बदलकर रख दिया है, स्वास्थ्य खतरों में धकेल दिया है। पिछले सवा साल के दौरान न केवल लोगों की आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक जिन्दगी गहरे रूप में प्रभावित हुई है, बल्कि बच्चों पर इसका घातक असर भी पड़ा है। घर से पढ़ाई ने बच्चों पर काफी असर डाला है। पहली कक्षा से लेकर बारहवीं तक की पढ़ाई ऑनलाइन चलती रही। यह मजबूरी भी थी। हालांकि ऑनलाइन कक्षाओं और परीक्षाओं का प्रयोग बहुत सीमा तक कामयाब नहीं कहा जा सकता। ज्यादातर लोगों के पास ऑनलाइन शिक्षा के बुनियादी साधन जैसे स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, लैपटॉप और इंटरनेट आदि उपलब्ध ही नहीं थे। ऐसे में विद्यार्थियों का बड़ा वर्ग शिक्षा से वंचित भी रहा। ऐसे विद्यार्थियों की तादाद भी कम नहीं होगी जो आधे-अधूरे मन से ऑनलाइन व्यवस्था को अपनाने के लिए मजबूर हुए। जिन बच्चों ने पूरी तरह आनलाइन शिक्षा को अपनाया है, उन पर तरह-तरह के शारीरिक एवं मानसिक दबाव बने हैं। स्कूल बंद होने के कारण स्कूल जाने वाले 33 फीसदी बच्चे प्रभावित हुए हैं। यूनिसेफ के मुताबिक वैश्विक स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पोषण, स्वच्छता या पानी की पहुंच के बिना गरीबी में रहने वाले बच्चों की संख्या में 15 फीसदी की वृद्धि होने की आशंका है। एक सर्वे में खुलासा किया गया है कि ऑनलाइन पढ़ाई के कारण बच्चों के देखने और सुनने की क्षमता प्रभावित हुई है। बच्चों को मोबाइल एडिक्शन हो रहा है। वो अब अकेले रहना अधिक पसंद कर रहे हैं, कुंठित है। बच्चों का रुझान अब सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की ओर अधिक हो गया है। कोरोना काल में एक ओर जहां सभी को अपने रहने और काम करने की तरीकों में बदलाव करना पड़ रहा है तो वहीं बच्चों की पढ़ाई पर भी इस संकट का बहुत गहरा असर पड़ा है। बच्चों के हाथों में अब कॉपी किताब से अधिक फोन, आईपैड या कंप्यूटर होता है। बदले शिक्षा के स्वरूप ने न केवल बच्चों को बल्कि शिक्षकों को भी ऊब एवं नीरसता दी है। अनेक राज्यों ने अब स्कूलों को खोलने का इरादा बना लिया है। कुछ राज्यों ने तो पहले ही बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को स्कूल आने की अनुमति दे दी थी। कोरोना महामारी के मामले कम पड़ जाने के साथ ही राज्यों ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है। यह जरूरी भी था। राजस्थान, ओड़िशा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पंजाब आदि राज्यों में जल्दी ही स्कूली गतिविधियां प्रारंभ होने जा रही है। हरियाणा में बड़ी कक्षाएं तो पहले ही शुरू हो चुकी थीं, अब आठवीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों के लिए भी स्कूल खोल दिए हैं। महाराष्ट्र में तो पंद्रह जुलाई से स्कूल खुल चुके हैं। तीसरी लहर की संभावनाओं के बीच स्कूलों का खुलना पूर्णतः सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। फिर भी यह तो तय है कि जैसे ही स्कूल खुलेंगे, विद्यार्थियों की भीड़ बढ़ेगी। और इसी के साथ तीसरी लहर का खतरा भी मंडरायेगा। पूर्णबंदी खत्म होने के बाद चरणबद्ध तरीके से काफी हद तक प्रतिबंध हटाए जा चुके हैं। दफ्तरों से लेकर बाजार तक खुल गए हैं। जिम, सिनेमाघर, होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन स्थल भी चालू हो चुके हैं। ऐसे में स्कूलों को भी अब और लंबे वक्त तक बंद रखना न तो संभव है, न ही व्यावहारिक। हालांकि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने प्राथमिक स्कूलों को पहले खोले जाने की सलाह दी है। इसके पीछे वैज्ञानिक दलील यह है कि कोरोना विषाणु जिस एस रिसेप्टर के जरिए कोशिकाओं से जुड़ता है, वह बच्चों में कम आता है। इससे छोटे बच्चों में कुदरती तौर पर खतरा कम रहता है। चैथे सीरो सर्वे से इसकी पुष्टि हुई है। जो हो, स्कूलों को खोलने से पहले बच्चों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि और बड़ा संकट खड़ा न हो जाए। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के इलाज को भी सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है। गौरतलब है कि सवा साल में महामारी ने दुनिया को हिला दिया। अभी भी इससे मुक्ति के आसार नहीं है। ऐसे में सभी देशों का जोर फिलहाल महामारी को नियंत्रित करने पर ही है। कई महीनों तक तो अस्पतालों में कोरोना पीड़ितों के कारण दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज भी नहीं हो पा रहे थे। ऐसे में बच्चों के लिए दूसरे जरूरी टीकों का अभियान बुरी तरह से प्रभावित होना ही था। दरअसल किसी भी देश में टीकाकरण जैसे अभियान तभी सफल हो पाते हैं जब उसके पास पहले ही से स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत ढांचा हो। भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाएं कितनी बदहाल हैं, यह महामारी के दौरान उजागर हो चुका है। यह अपने आप में कम गंभीर बात नहीं है कि डीटीपी की पहली खुराक के मामले में दुनिया में भारत की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पिछले साल भारत में तीस लाख से ज्यादा बच्चों को इस टीके की पहली खुराक नहीं मिली। 2019 में भी चैदह लाख बच्चे इस टीके से वंचित रह गए थे। इसलिए यह सवाल उठना लाजिमी है कि 2019 में जब कोरोना नहीं था तब चैदह लाख बच्चों को डीटीपी का टीका क्यों नहीं लग पाया? दरअसल यह हमारी बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था का सबूत है। यूनिसेफ ने कहा है कि

स्वास्थ्य सेवाओं के बाधित होने और महामारी के कारण गरीबी बढ़ने के साथ 卐एक पूरी पीढ़ी का भविष्य खतरे मे है।卐 एजेंसी ने सरकारों से बच्चों के लिए सेवाओं में सुधा करने के लिए और अधिक कदम उठाने का आग्रह किया है यूनिसेफ ने कहा कि कोविड-19 महामारी दुनिया भर के बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के लिए 卐अपरिवर्तनीय नुकसान卐 का कारण बन सकती है। 14(देशों का सर्वेक्षण करने वाली एक रिपोर्ट में पाया गया वि लगभग एक तिहाई देशों ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मे कम से कम 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की है, जिनमे टीकाकरण और मातृ स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं। यूनिसेप ने कहा कि अगर सेवाओं में रुकावट और कुपोषण क बढ़ना जारी रहता है तो इससे अगले 12 महीनों में 2(लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है और 2 लाख मृत जन्म हो सकते हैं। एजेंसी ने पाया कि महिलाओं औ बच्चों के लिए पोषण सेवाओं में महामारी के कारण 135 देशों में 40 फीसदी की गिरावट देखी गई। वहीं एजेंसी ने बताया कि पांच साल से कम उम्र के 60-70 लाख अतिरिक्त बच्चे तीव्र कुपोषण का शिकार हो सकते हैं दुनिया भर में शिक्षा पर महामारी के पड़ते प्रभाव को मापने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने एक नया ट्रैकर जारी किया है जिसे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, वर्ल्ड बैंक और यूनिसेफ के आपसी सहयोगी से बनाया गया है। यदि पिछले एक साल की बात करें तो कोरोना महामारी के कारण 160 करोड़ बच्चों की शिक्षा पर असर पड़ा है। यदि शिक्षा पर संकट की बात करें तो वो इस महामारी से पहले भी काफी विकट था इस महामारी से पहले भी दुनिया भर में शिक्षा की स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं थी। बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को पटरी पर लाने के लिये सरकारों को गंभीर एवं व्यापक कदम उठाने होंगे। अगर गहराई से विश्लेषण किया जाये तो बच्चों को भी सक्षम एवं स्वस्थ जीने का अधिकार है। देश में नये शब्द की रचना करो और उसी अनुरूप शासन व्यवस्थाएं स्थापित हो। वह शब्द हैज. मंगल। सबका मंगल हो, बच्चों के जीवन में भी मंगल हो और उससे जुड़ी नीतियों में प्रामाणिकता का मंगलोदय हो।

ज्ञान गंगा

आनंद

जग्गी वासुदेव

आध्यात्मिक होने का अर्थ यह है कि आप अपने अनुभव से जानते हैं, 'मैं अपने आप में आनंद का स्त्रोत हूं'। आप जान लें, समझ लें कि आप स्वयं अपने आनंद के स्त्रोत हैं, तो क्या आप हर समय आनंदपूर्ण नहीं होंगे? यह कोई चयन का मामला भी नहीं है। वास्तव में, जीवन स्वयं ही आनंदपूर्ण होना चाहता है। आप अपने जीवन की ओर देखें-आप अपने आप को शिक्षित करते हैं, धन कमाते हैं, मकान, परिवार, बच्चे-आप ये सब करते हैं क्योंकि आप को आशा है कि किसी दिन आप को इन सब से आनंद मिलेगा। पर आनंद ही एक चीज है जो आप भूल गए हैं। लोग दुःखी इसलिए होते हैं कि उनको जीवन के बारे में गहरी गलतफहमी है। 'मेरा पति, मेरी पत्नी, मेरी सास..'। हां, वह सब है, पर आप दुःखी रहना ही पसंद करते हैं क्योंकि आपने सारा निवेश दुःखों में कर रखा है। मान लीजिए, आप के परिवार में कोई कुछ ऐसा करता है जो आपको पसंद नहीं है। तो आप अपने आप को दुःखी कर लेंगे और हर समय मुंह लटका कर घूमते रहेंगे, इस आशा से कि वे बदल जाएंगे। आप अपने आप को दुःख देने को तैयार हैं। जब आप इस आशय के साथ दुःखी हैं कि आप को कुछ मिलेगा तो फिर क्या लाभ है, चाहे आप के हाथों में स्वर्ग ही क्यों न हो? पर, यदि आप आनंदपूर्ण व्यक्ति हैं, चाहे फिर आपके पास कुछ भी न हो, तो भी, कौन परवाह करता है? आप वास्तव में आनंदपूर्ण हैं तो क्या कोई फर्क पड़ता है कि आपके पास क्या है और क्या नहीं, या फिर आप के पास कौन है और कौन नहीं? कृपया समझिए, आप किसी की चिंता करते हैं या किसी के प्रति प्रेमपूर्ण हैं, आप चीजें प्राप्त करना चाहते हैं, तो ये सब बस इस आशा के कारण कि आप को आनंद मिलेगा। लोग मुझे हमेशा प्रश्न पूछते हैं, 'किसी आध्यात्मिक व्यक्ति और किसी भौतिकतावादी व्यक्ति में क्या अंतर है'? मैं, उन्हें थोड़ा मजाक में, बताता हूं, 'एक भौतिकतावादी व्यक्ति सिर्फ अपना भोजन कमाता है। बाकी सब चीजों-आनंद, प्रेम, शांति आदि के लिए भीख मांगता है। एक आध्यात्मिक व्यक्ति अपने लिए सब कुछ कमाता है-उसका प्रेम, उसकी शांति, उसका आनंद। वह सिर्फ खाने के लिए भीख मांगता है, पर अगर वह चाहे तो वह उसे भी कमा सकता है'।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भारत को पहले रखने और विकास से जोड़ने की बात

- सियाराम पांडेय 'शांत'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को हमेशा पहले रखने का मंत्र दिया है। भारत जोड़ो आंदोलन चलाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि इसे राजनीतिक आंदोलन मानने की जरूरत नहीं है बल्कि इसे जनता का आंदोलन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए महात्मा गांधी के अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन का हवाला दिया है। समवेत और नवोन्मेषी विकास से भारत को जोड़ने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री 79 बार रेडियो पर अपने मन की बात कर चुके हैं। भारत के अन्य किसी भी प्रधानमंत्री ने रेडियो पर इतनी बार अपने मन की बात नहीं की है। यह और बात है कि प्रधानमंत्री ने जब भी अपने मन की बात की है, उस पर राजनीति जरूर हुई है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। राजनीतिक दलों का अक्सर यही आरोप होता है कि प्रधानमंत्री अपने मन की बात तो करते हैं लेकिन देश के मन की बात नहीं करते। हर बार ऐसे ही आरोप लगने लगें तो स्पष्टीकरण जरूरी हो जाता है। यह अच्छा तो नहीं कि प्रधानमंत्री से हर बात पर सफाई की अपेक्षा की जाए लेकिन देश की राजनीति में इन दिनों हर बात पर सीधे प्रधानमंत्री से ही जवाब मांगने का चलन विकसित हो गया है। गोया, प्रधानमंत्री न हुआ, जवाब देने की मशीन हो गया। प्रधानमंत्री ने तो इस बार तो यह बताने की भी कोशिश की कि उनकी मन की बात निजी बिल्कुल भी नहीं है। उसमें देश भर के 35 साल से कम आयु-वय के 75 प्रतिशत युवाओं के सुझाव शामिल होते हैं। लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा की कटाक्षपरक प्रतिक्रिया से ऐसा नहीं लगा कि उन्हें प्रधानमंत्री के इस दिलासे पर भरोसा भी है। राहुल गांधी को लगता है कि प्रधानमंत्री देश के मन की बात नहीं समझते अन्यथा देश में टीकाकरण के ऐसे हालात नहीं होते। जबकि प्रियंका वाड्रा का आरोप है कि प्रधानमंत्री खरबपति मित्रों के चश्मे से देखते और किसानों का अपमान करते हैं। किसी के मन को समझना कठिन है। राहुल और प्रियंका क्या चाहते हैं, क्या सोचते हैं, यह आजतक कांग्रेसी भी नहीं समझ पाए। प्रधानमंत्री को बार-बार राष्ट्रप्रेम, भारत प्रथम या भारत सबसे पहले जैसी भावना के विकास की बात क्यों करनी पड़ रही है। भारत जोड़ो अभियान चलाने की बात क्यों करनी पड़ रही है? जाहिर सी बात है कि आजादी के बाद ही अगर नेहरू-गांधी परिवार ने देश प्रथम की भावना से काम किया होता तो चीन को देश का बहुत बड़ा भूभाग ऊसर- बंजर और बेकार कहकर सौंप न दिया गया होता। हिंदुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा न होता। सरदार बल्लभ भाई पटेल ने भौगोलिक स्तर पर तो देश को जोड़ दिया लेकिन जाति-भाषा, धर्म और संस्कृति के स्तर पर यह देश कभी एक हो नहीं पाया। यह काम करेगा तो कोई प्रधानमंत्री ही। सच तो यह है कि अनेकता में एकता की बात करने वाले राजनीतिक दल आजादी के 74 साल बाद भी देश को उसकी एक अदद राष्ट्रभाषा तक नहीं दे पाए। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं अपने ही देश में कामकाज की भाषा नहीं बन पा रही हैं। बड़ी अदालतों में न तो हिंदी या अन्य भारतीय भषाओं में वाद स्वीकृत हो रहे, न उनमें बहस या जिरह हो रही और न ही फैसले आ रहे। फिर देश जुड़ेगा कैसे? यह अपने आप में बड़ा सवाल है। जुड़ने के लिए तो दिल का मिलना, मन का मिलना जरूरी है। मन तो तभी मिलता है, जब यह स्पष्ट हो कि सामने वाला क्या कह रहा है? यह एक राष्ट्र-एक भाषा होने पर ही संभव है। कम से कम देश में एक ऐसी भाषा तो हो जिसे सब समझ सकें। भारत जोड़ो अभियान का मतलब है- देश से खुद को जोड़ो। अपने को देश का समझो। देश को अपना समझो।जो भी काम करो, यह विचार कर करो कि क्या यह देश के व्यापक हित में है? जिस तरह बूंद-बूंद से महासागर बनता है।उसी तरह व्यक्ति-व्यक्ति के मेल से देश बनता है। व्यक्ति को जोड़ने का काम भाषा करती है। हमारे सत्कर्म ही देश को विकासगामी बनाते हैं। देश को आगे ले जाना केवल सरकारों का काम नहीं है, यह हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। हमने जिस देश का अन्न-जल ग्रहण किया है। यहां से वायु प्राप्त की है। जहां हम पले-बढ़े हैं। जहां से हमने ज्ञान पाया है, जहां के वस्त्र पहने हैं, उस देश के लिए हम क्या कुछ कर रहे हैं, यह तो कभी हम सोचते ही नहीं। प्रधानमंत्री का इशारा है कि हम जो भी काम करते हैं, उसमें नवोन्मेष तलाशें। उसे गुणवत्तापूर्वक पूरी ईमानदारी से करें। कुछ चिंतकों का मानना है कि युवाओं को भाषण की नहीं, काम की जरूरत है। देश में काम की नहीं, काम करने वालों की कमी है। सरकारी विभागों में कार्यरत लोग कितना काम करते हैं और कैसे करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। कुछ राजनीतिक दल जनता को मुफ्त पानी,मुफ्त बिजली,मुफ्त राशन और मुफ्त सुविधाएं देने की वकालत करते हैं, लेकिन हमें सोचना होगा कि मुफ्त कुछ भी नहीं मिलता। उसकी कीमत हमें चुकानी पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वाधीनता संग्राम सेनानियों की राह पर चलने और उनके सपनों का देश बनाने की बात कर रहे हैं। हमें सोचना होगा कि हमारा सपना आजादी के दीवानों के सपनों से कितना मेल खाता है और अगर नहीं तो क्यों? परस्पर स्नेह और सहकार इस देश की ताकत रही है।आज हम इससे वंचित क्यों हैं? प्रधानमंत्री अगर लखीमपुर के केले के बेकार तने के रेशे से फाइबर निर्माण की सराहना करते हैं तो मणिपुर में सेब की खेती की सराहना करना भी नहीं भूलते। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज और हर मंडल में सैनिक स्कूल खोलने की बात हो रही है। ऐसा हर प्रदेश में होना चाहिए। टीकाकरण और ऑक्सीजन पर राजनीति करने वाले दलों ने अगर वाकई चिकित्सा नेटवर्क मजबूत करने की दिशा में काम किया होता तो क्या देश के आज यही हालात होते। प्रधानमंत्री अगर मन की बात भी करते हैं तो सोच-समझकर करते हैं इसलिए उनकी भावनाओं को समझा जाना चाहिए। विरोध करना आसान है लेकिन विरोध भी सोच-समझ कर हो तभी उसकी अहमियत है। होश में रहकर किया काम ही इस देश को आगे ले जा सकता है। होश और जोश दोनों की युति बनें तभी भ्रष्टाचारमुक्त सार्थक विकास हो सकता है। अपने काम को बेहतर तरीके से अंजाम देकर ,सबका साथ,सबका विकास की भावना को महत्व देकर ही हम एक दूसरे के दिलों में जगह बना सकते हैं। प्रधानमंत्री स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बात कर रहे हैं। अच्छा होता कि राजनीतिक दल मन की बात के निहितार्थ समझ पाते।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से सम्बद्ध हैं।)

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्प्ल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

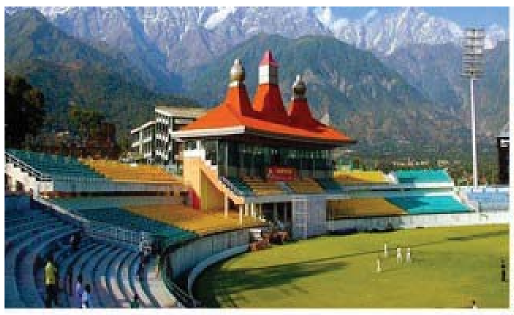

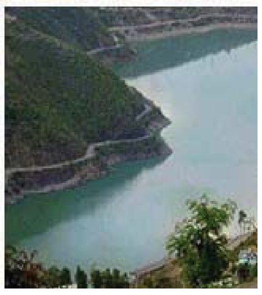

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

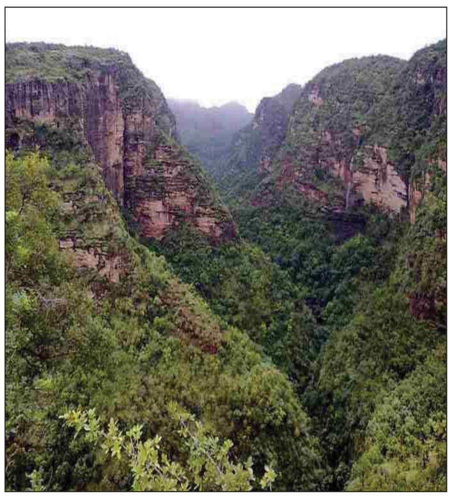

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

रुपये में गिरावट थमी, नौ पैसे की तेजी के साथ 74.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले के आने से पहले रुपये में दो सत्रों से जारी गिरावट थम गई और रुपया नौ पैसे की तेजी के साथ 74.38 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि मासांत से पहले और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले के आने से पहले रुपये में एक सीमित दायरे में घटबढ हुई । अन्तरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.44 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.31 के उच्च स्तर और 74.49 के निम्न स्तर तक जाने के बाद अंत में प्रति डालर नौ पैसे की तेजी के साथ 74.38 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को यह 74.47 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक, दिलीप परमार ने कहा कि मासांत की डॉलर मांग के बीच दो दिनों की गिरावट के बाद रुपये में सुधार आया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 92.49 हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 135.05 अंक की गिरावट के साथ 52,443.71 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 0.77 प्रतिशत बढ़कर 75.05 डॉलर प्रति बैरल हो गयी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को 1,459.08 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

मंत्रिमंडल ने सीमित जवाबदेही भागीदारी अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, सरकार ने बुधवार को सीमित जवाबदेही भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसका मकसद कानून के तहत विभिन्न प्रावधानों को आपराधिक श्रेणी से अलग करना तथा देश में कारोबार करने को और सुगम बनाना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इस आशय की जानकारी दी। संशोधन के तहत जिन बदलावों का प्रस्ताव किया गया है, उसमें कानून के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने पर उसे आपराधिक कार्रवाई से बाहर रखना शामिल है। सीतारमण ने कहा कि इस मंजूरी से अन्य बातों के अलावा अधिनियम में दंडात्मक प्रावधानों की कुल संख्या घटकर 22 रह जाएगी जबकि सुलह के जरिये मामलों को निपटाने वाले अपराधों (कंपाउंडेबल ऑफेन्स) की संख्या केवल सात रह जाएगी। साथ ही गंभीर अपराधों की संख्या केवल तीन होगी और चूक से जुड़े प्रावधान 12 रह जाएंगे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 53 प्रतिशत बढ़कर 206 करोड़ रुपये पर

-बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात सुधरकर 84.28 प्रतिशत पर पहुंचा जो एक साल पहले 79.12 प्रतिशत था

नई दिल्ली(ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 53 प्रतिशत बढ़कर 206 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 135 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 6,245.54 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 6,726.68 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय 2,135 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर रही। एक साल पहले समान तिमाही में यह 2,146 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कुल ऋण पर घटकर 15.92 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 18.10 प्रतिशत पर थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए भी 6.76 प्रतिशत से घटकर 5.09 प्रतिशत रह गया। बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात सुधरकर 84.28 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 79.12 प्रतिशत पर था।

आईडीबीआई बैंक का मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही का लाभ 318 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऋणदाता आईडीबीआई बैंक ने मंगलवार को वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही में अपने लाभ में 318 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि दर्ज की। बैंक का लाभ क्यू1एफवाई21 के 144 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 603 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने एक बयान में कहा, क्यू1-2022 के लिए लाभ में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि क्यू4-2021 के लिए 512 करोड़ रुपये की सूचना दी गई है। इसके अलावा, शुद्ध ब्याज आय (शुद्ध ब्याज आय) क्यू1एफवाई22 के लिए 41 प्रतिशत बढ़कर 2,506 करोड़ रुपये हो गई, जबकि क्यू1एफवाई21 के लिए 1,772 करोड़ रुपये थी। बैंक ने एक बयान में कहा, एनआईआई क्यू4-2021 के लिए 3,240 करोड़ रुपये था। बैंक ने एक बयान में कहा, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) क्यू1-2022 के लिए 125 बीपीएस बढ़कर 4.06 प्रतिशत हो गया, जबकि क्यू1-2021 के लिए 2.81 प्रतिशत था और एनआईएम क्यू4-2021 के लिए 5.14 प्रतिशत था। ऋणदाता के अनुसार, सकल एनपीए अनुपात 30 जून, 2021 को बढ़कर 22.71 प्रतिशत हो गया, जबकि 30 जून, 2020 को यह 26.81 प्रतिशत था। बैंक ने एक बयान में कहा, 31 मार्च, 2021 को सकल एनपीए 22.37 प्रतिशत था। बैंक ने एक बयान में कहा, 30 जून, 2021 को शुद्ध एनपीए अनुपात बढ़कर 1.67 प्रतिशत हो गया, जबकि 30 जून, 2020 को 3.55 प्रतिशत और 31 मार्च, 2021 को 1.97 प्रतिशत था। इसके अलावा, बैंक ने बताया कि 30 जून, 2021 तक, उसके पास 863 करोड़ रुपये (कोविड-19 मानदंडों के तहत पुनर्गठन के लिए आयोजित प्रावधानों के अलावा) के कोविड -19 संबंधित प्रावधान थे। बैंक द्वारा किया गया प्रावधान आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनतम आवश्यकता से अधिक है।

सोने में मामूली गिरावट, चांदी 1,094 रुपये लुढ़की

नयी दिल्ली, दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 61 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 46,607 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 46,668 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 1,094 रुपये की गिरावट के साथ 64,779 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। इसका पिछला बंद भाव 65,873 रुपये था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''कॉमेक्स में सोने में आई कल रात की गिरावट को दर्शाता और रुपये के मूल्य में सुधार के बीच दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 61 रुपये की गिरावट आई।'' विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया अपरिवर्तित रुख के साथ खुला और बाद में डॉलर के मुकाबले रुपये में चार पैसे का सुधार आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली लाभ के साथ 1,800 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 24.76 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित थी।

टेस्ला को भारत में इन्वेस्ट करने पर मिलेगी आयात शुल्क में छूट

नई दिल्ली। सरकार टेस्ला को अन्य छूट देने के साथ-साथ आयात शुल्क घटाने पर विचार कर सकती है। लेकिन इसके लिए इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी को देश में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में निवेश करना होगा। टेस्ला ने पहले केंद्र से इलेक्ट्रिक वाहनों में आयात शुल्क कम करने का आग्रह किया था। यह भारत में अपनी असेंबली और मैन्युफैक्च रिंग को देखने से पहले अपने लेटेस्ट इलेक्ट्रिक वाहनों को पूरी तरह से निर्मित इकाई के रूप में लाना चाहता है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि अगर सरकार देश में अपनी कारों का निर्माण करने का फैसला करती है। और संयंत्र लगाने में निवेश करने का फैसला करती है तो सरकार अनुरोध पर विचार करेगी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि इस मामले पर कोई भी फैसला या छूट बढ़ाने का फैसला पूरे क्षेत्र पर लागू होगा, न कि केवल एक कंपनी विशेष पर। कुछ अन्य राज्य सरकारों के साथ केंद्र सरकार ने पहले ही देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर कर लाभ भी लेते आई है। मस्क ने हाल ही में कहा था कि, उनकी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी भारत में कारों को लॉन्च करना चाहती है। लेकिन ईवी पर देश का आयात शुल्क दुनिया में अब तक का सबसे अधिक है। किसी भी बड़े देश की तुलना में आयात शुल्क दुनिया में सबसे अधिक है। मौजूदा समय में भारत 40,000 डॉलर से कम कीमत वाली आयातित कारों पर 60 फीसदी और इससे अधिक कीमत वाली कारों पर 100 फीसदी शुल्क लगाता है। यह पूरी तरह से निर्मित इकाई आयातित कारों को कई विदेशी बाजारों की तुलना में दोगुना महंगा बनाता है। आपको बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार नें, ऐसे वाहनों पर जीएसटी को 12प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया गया है।

हरदीप सिंह पुरी ने बताया- पिछले एक साल में पेट्रोल-डीजल सरकार ने नहीं लगाया कोई टैक्स

(एजेंसी):

विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को लेकर विपक्ष के निशाने पर आई सरकार ने बुधवार को कहा कि पिछले एक वर्ष में पेट्रोल और डीजल पर केन्द्रीय करों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में पेट्रोल और डीजल पर केन्द्रीय करों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल के खुदरा बिक्री मूल्यों में हुई वृद्धि उच्च अंतरराष्ट्रीय उत पाद मूल्यों तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा वसूले गए वैट में वृद्धि के चलते आधार मूल्य में वृद्धि के कारण हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां तय करती हैं कीमतें उन्होंने कहा कि सरकार कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य में अस्थिरता से संबंधित मुद्दे को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठा रही है। पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों को क्रमशः 26 जून 2010 और 19 अक्टूबर 2014 से बाजार निर्धारित बना दिया गया है। उसके बाद से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय उत्पाद मूल्यों तथा अन्य बाजार दशाओं के आधार पर पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण के संबंध में निर्णय लेती हैं। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के मूल्यों को अंतरराष्ट्रीय मूल्यों तथा रूपया-डॉलर विनिमय दर में परिवर्तनों के अनुरूप बढ़ाया और घटाया है।

आज 11वें दिन नहीं बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

हालांकि आज सरकारी तेल कंपनियों की ओर से लगातार 11वें दिन पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। 17 जुलाई के दिन डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ था जबकि पेट्रोल की कीमत 29 से 30 पैसे तक बढ़ी थी। इसके बाद से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। आज भी दिल्ली में पेट्रोल का दाम 101.84 रुपए जबकि डीजल का दाम 89.87 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 107.83 रुपए व डीजल की कीमत 97.45 रुपए प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 102.08 रुपए जबकि डीजल का दाम 93.02 रुपए लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 100 के पार है यहां पेट्रोल 102.49 रुपए लीटर है तो डीजल 94.39 रुपए लीटर है।

बैंक डूबने पर 90 दिन के अंदर मिलेगी 5 लाख तक की रकम, वित्त मंत्री ने किया बड़ा ऐलान

(एजेंसी):

केंद्र सरकार ने जमाकर्ताओं को बड़ी राहत दी है। बैंक डूबने पर अब डिपॉजिटर्स को 90 दिन के अंदर 5 लाख रुपए तक की रकम मिलने की प्रॉसेस पूरी हो जाएगी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इसके लिए मंत्रिमंडल ने डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (DICGC) एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है। बता दें कि किसी बैंक के दिवालिया होने या उसका लाइसेंस रद्द होने पर उसमें जमा डिपॉजिटर की 5 लाख रुपए तक की ही रकम सुरक्षित होती है, फिर चाहे कुल जमा कितनी ही क्यों न हो। पहले यह लिमिट 1 लाख रुपए थी लेकिन सरकार इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर चुकी है। बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि अब किसी बैंक के दिवालिया होने या उसका लाइसेंस रद्द होने या उस पर कोई प्रतिबंध लगने पर 90 दिनों के अंदर डिपॉजिटर को उसकी 5 लाख रुपए तक की जमा मिल जाएगी।

एक बैंक की सभी शाखाओं में मौजूद जमा आती है दायरे में

बैंक में डिपॉजिटर की 5 लाख रुपए तक की जमा पर सुरक्षा की गारंटी, डिपॉजिट इंश्योरेंस क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन की ओर से होती है। इस 5 लाख रुपए की लिमिट में एक डिपॉजिटर की एक बैंक की सभी शाखाओं में मौजूद सभी जमा काउंट होती है। हर डिपॉजिटर की हर बैंक में 5 लाख रुपए तक की सुरक्षित जमा में मूलधन और ब्याज दोनों शामिल होता है। छ्वढ्ढष्टत्नष्ट सभी बैंक डिपॉजिट्स को कवर करता है। इसमें कमर्शियल बैंक, विदेशी बैंकों की भारत में मौजूद शाखाएं, स्मॉल फाइनेंस बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक, पेमेंट्स बैंक आदि सभी बैंक कवर होते हैं।

जमा राशि पर प्रीमियम में हो रही बढ़ोतरी

सीतारमण ने कहा कि हर बैंक में वास्तव में जमा राशि के 100 रुपए के लिए 10 पैसे का प्रीमियम हुआ करता था। इसे अब बढ़ाकर 12 पैसे किया जा रहा है। यह किसी भी समय प्रति 100 रुपए के लिए 15 पैसे से अधिक नहीं होना चाहिए। आगे कहा कि छ्वढ्ढष्टत्नष्ट बिल 2021 के तहत, सभी जमाओं का 98.3 फीसदी कवर किया जाएगा और जमा मूल्य के संदर्भ में, 50.9 फीसदी जमा मूल्य को कवर किया जाएगा। वैश्विक जमा मूल्य सभी जमा खातों का केवल 80 फीसदी है। यह जमा मूल्य का केवल 20-30 फीसदी कवर करता है।

फाइजर का पहली तिमाही में लाभ 61 प्रतिशत बढ़कर 200 करोड़ रु हुआ

नयी दिल्ली, दवा कंपनी फाइजर लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि जून में समाप्त हुई तिमाही में उसने मुख्य रूप से मजबूत बिक्री के सहारे 60.63 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 199.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। फाइजर लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 124.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। अप्रैल-जून 2021 तिमाही में कंपनी ने परिचालन से 749.17 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। एक साल पहले इसी अवधि में यह 514.89 करोड़ रुपये था। फाइजर लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 6,020.25 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

बाजार में तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 135 अंक टूटा, पर भारती एयरटेल में तेजी

मुंबई:

बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 135 अंक नीचे आ गया। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बैंक, ऊर्जा और वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार में गिरावट आई। चीन में खासकर प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली जारी रहने से वैश्विक बाजारों पर असर पड़ा। इसके अलावा निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 700 अंक से अधिक नीचे चला गया था लेकिन बाद में कुछ लिवाली बढ़ने से यह 135.05 अंक यानी 0.26 प्रतिशत टूटकर 52,443.71 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 37.05 अंक यानी 0.24 प्रतिशत फिसलकर 15,709.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में कोटक बैंक का शेयर रहा। इसके अलावा, डा. रेड्डीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक में भी प्रमुखता से गिरावट रही। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल के प्रीपेड शुल्क बढ़ाए जाने के बाद उसके शेयर में सर्वाधिक 5.08 प्रतिशत की तेजी आई। कंपनी ने एक सप्ताह पहले पोस्ट पेड प्लान शुल्क बढ़ाए थे। इसके अलावा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। इनमें 2.60 प्रतिशत तक की तेजी आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''नियामकीय मुद्दों को लेकर चीन में प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव के साथ वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू बाजार में गिरावट आयी।%% उन्होंने कहा कि इसके अलावा संपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंता से वित्तीय शेयरों में बिकवाली की गई, जिससे मानक सूचकांक नीचे आया। हालांकि यूरोपीय बाजारों से मिले सकारात्मक रुख और गिरावट के बाद कम मूल्य पर शेयरों की लिवाली से बाजार दोपहर कारोबार में दिन के न्यूनतम स्तर से बाहर आया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''चीन में प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई और फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे को लेकर निवेशकों में कुछ घबराहट रही।

एलजी अब एस कोरियाई स्टोर्स पर आईफोन बेचेगा : रिपोर्ट

सियोल।

दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने दक्षिण कोरियाई स्टोर्स पर आईफोन जैसे एप्पल उत्पादों की बिक्री शुरू करेगी। उम्मीद की जा रही है कि कंपनी अगस्त में अपने कुछ स्टोर्स पर आईफोन की बिक्री शुरू कर देगी। कंपनी के प्रवक्ता जेडडीनेट की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल द्वारा बनाए गए अन्य उत्पादों, जैसे एप्पल वॉच, अन्य गैजेट्स को बेचने की भी उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, एलजी को शुरू में योजना को लेकर स्थानीय फोन वितरकों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिसने इसे एक समझौते का उल्लंघन माना, जिसने एलजी और सैमसंग से प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार को रोका। एलजी ने हाल ही में समूह कर्मचारियों के लिए अपने ऑनलाइन शॉपिंग मॉल लाईफकेयर पर आईफोन, आईपोडस और अन्य एप्पल उत्पादों के लिए एक विशेष प्रचार का आयोजन किया है। एलजी के फिलहाल देश में करीब 400 स्टोर हैं। इन स्टोर्स ने एलजी स्मार्टफोन्स की बिक्री तब तक की थी जब तक कि कंपनी ने इस साल अप्रैल में स्मार्टफोन बिजनेस से बाहर निकलने की घोषणा नहीं कर दी। इससे पहले, दक्षिण कोरियाई कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसकी मोबाइल संचार (एमसी) इकाई अब 31 जुलाई के बाद हैंडसेट का उत्पादन और बिक्री नहीं करेगी। व्यापार में मंदी और उद्योग में ज्यादा प्रतिस्पर्धा के कारण निर्णय लिया है। यह

घोषणा दो महीने बाद हुई जब कंपनी ने कहा कि उसका एमसी डिवीजन अपने भविष्य के संचालन के लिए सभी संभावनाओं के लिए खुला है।

वनप्लस नॉर्ड 2, 5जी: अगला बड़ा कदम

नई दिल्ली। वैश्विक टैक्नोलॉजी ब्रैंड वनप्लस ने आज वनप्लस नॉर्ड 2 5जी रिलीज़ कर दिया जो कंपनी के किफ़ायती स्मार्टफ़ोन पोर्टफ़ोलियो वनप्लस नॉर्ड की नई पेशकश है। नॉर्ड 2 में पहले नॉर्ड के मुकाबले काफ़ी अपग्रेड किए गए हैं, कैमरे से लेकर परफ़ॉर्मेंस और चार्जिंग से लेकर डिज़ाइन तक इस फ़ोन में कई चीज़ें बेहतर हैं। वनप्लस नॉर्ड 2 के सबसे अच्छे हार्डवेयर के साथ आता है जिसमें सोनी आईएमएक्स766 सेंसर और ऑप्टिकल इमेज स्टैबलाइजेशन (ओआईएस) के साथ 50 मेगापिक्सेल का एआई ट्रिपल कैमरा, वार्प चार्ज 65 और जाना-माना मीडियाटेक डाइमेंसिटी 1200-एआई प्रोसेसर शामिल है। इसके अलावा, इस फ़ोन में वनप्लस का ऑक्सीजन ओएस सॉफ़्टवेयर है जिससे उपयोगकर्ताओं को तेज़, आसान और विविधता से भरपूर अनुभव मिल सके।

पेटे लाउ, संस्थापक, वनप्लस ने कहा, "वनप्लस नॉर्ड 2 5जी पूरी दुनिया के साथ शानदार टैक्नोलॉजी साझा करने की हमारी प्रतिबद्धता को ही दोहराता है।" उन्होंने कहा, "मध्यम रेंज में भी स्मार्टफ़ोन टैक्नोलॉजी में आए व्यापक बदलावों के साथ अब हम उन डिवाइसों पर भी प्रीमियम अनुभव उपलब्ध करा पा रहे हैं जो लोगों की पहुंच में हैं। हमें पूरा भरोसा है कि नॉर्ड 2 अच्छी तरह ओरिजनल वनप्लस नॉर्ड की जगह ले लेगा।"

वनप्लस नॉर्ड 2 5जी में ताकतवर कैमरा हार्डवेयर के साथ एआई की मदद से चलने वाले सॉफ़्टवेयर हैं जो नए मीडियाटेक चिपसेट में आते हैं, ताकि बेहतरीन और विविधता से भरपूर फ़ोटोग्राफ़ी का अनुभव उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाया जा सके। ओआईएस और मुख्य 50 मेगापिक्सेल के सोनी आईएमएक्स766 सेंसर के साथ नॉर्ड 2 में रात के समय फ़ोटोग्राफ़ी करना काफ़ी बेहतर हो गया है जो पहले नॉर्ड में मौजूद सोनी आईएमएक्स586 के मुकाबले 56 फ़ीसदी लाइट कैप्चर करता है। फ्लैगशिप वनप्लस 9 सीरीज़ की ही तरह नॉर्ड 2 में 4,500 एमएएच डुअल सेल बैटरी है। इसकी वार्प चार्ज 65 चार्जिंग टैक्नोलॉजी के साथ यह 35 मिनट से कम समय में ही 0 से 100 फ़ीसदी चार्ज हो जाता है। नॉर्ड 2 को 100 फ़ीसदी बैटरी पर कम समय खर्च करने के हिसाब से भी तैयार किया गया है, ताकि रात भर चार्ज करते हुए भी बैटरी की हेल्थ अच्छी बनी रहे। वनप्लस नॉर्ड 2 5जी तीन शानदार रंगों में आता है- ब्लू हेज़, ग्रे सिएरा और ग्रीन वूड्स। ये तीनों ही रंग टिकने वाले हैं, फ़िंगरप्रिंट रोधी और बेहद खूबसूरत हैं। वनप्लस नॉर्ड 2 5जी में दो साल के प्रमुख ऐंड्रॉयड अपडेट और तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट मिलेंगे।

शहरी विकास हेतु उत्कृष्ट योगदान के लिए वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल मुंबई रत्न पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली/मुंबई।

प्रमुख उद्यमी और समाजसेवी एवं देश के प्रमुख मेटल, मिनरल्स, ऑयल एण्ड गैस उत्पादक समूह वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल को मुंबई शहर के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिये प्रतिष्ठित मुंबई रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मुंबई में राजभवन में आयोजित समारोह में प्रदान किया। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि, मैं सिर्फ 19 साल का था, जब अवसरों के शहर मुंबई के लिए ट्रेन से निकला और बहुत जल्द यह शहर मेरा बन गया। मैंने अपने आप से कहा कि बड़ा बनाने के लिये मैं इस शहर को कुछ वापस देना चाहूंगा और इस तरह मेरी यात्रा की शुरूआत हुई। इस पुरस्कार को पाकर मै विनम्र और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, श्री भगत सिंह कोश्यारी जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने मेरे प्रयासों के लिये मुझे यह सम्मान दिया।

"उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र अवसरों और निवेश के लिये आकर्षक प्रदेश है, जो कि कुछ वर्षों में, राज्य विनिर्माण, वित्तीय बाजारों, प्रौद्योगिकी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, जहां गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन है। यह प्रदेश परंपरागत तौर पर भौगोलिक रूप से अनुकूल एवं औद्योगिक विकास में अग्रणी है। हमें गर्व है कि हम यहां अपनी प्रौद्योगिकी कंपनी का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। पथ प्रदर्शक बनने लिये महाराष्ट्र और मुंबई को मेरी शुभकामनाएं।

मुंबई रत्न पुरस्कार विशिष्ट व्यक्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके बेदाग योगदान एवं उच्चतम असाधारण सेवाओं के सम्मान हेतु प्रदान किए जाते हैं। मुंबई रत्न पुरस्कार फिल्म्स टुडे मीडिया लिमिटेड, नाना नानी फाउंडेशन और एनर ग्रुप द्वारा स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष अन्य पुरस्कार विजेताओं में टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा, गोदरेज समूह के चेयरमैन आदि गोदरेज, हीरानंदानी समूह के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक, निरंजन हीरानंदानी और बीएमसी आयुक्त आईएस चहल शामिल हैं।

मनिका बत्रा पर होगी कार्रवाई : टीटीएफआई

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने कहा है कि टोक्यो ओलिंपिक खेलों के दौरान राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप रॉय से मदद लेने से इंकार करने वाली खिलाड़ी मनिका बत्रा पर कार्रवाई होगी। टीटीएफआई के अनुसार कोच से सहायता लेने से इंकार करना अनुशासनहीनता है और इस प्रकार के मामलों में किसी भी प्रकार की राहत की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अगले महीने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के दौरान मनिका के खिलाफ कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि रॉय टोक्यो में चार सदस्यीय टीम के साथ अकेले कोच है। मनिका ओलंपिक के लिए अपने निजी कोच सन्मय परांजपे को लेकर गई थी पर उनके कोच को प्रतियोगिता स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। टीटीएफआई महासचिव अरूण कुमार बनर्जी ने कहा, ‘यह अनुशासनहीनता है, उसे अपने मैचों के दौरान राष्ट्रीय कोच को कोर्ट के पास बैठने की अनुमति देना चाहिए थी। रॉय भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से है और अब जाने माने कोच हैं।’ उन्होंने कहा, ‘कार्यकारी बोर्ड की ऑनलाइन बैठक जल्दी ही होगी, हम उसके खिलाफ कार्रवाई पर फैसला लेंगे।’ टीटीआईएफ क्या फैसला लेता है, वह तो देखना होगा, लेकिन यह तय है कि राष्ट्रीय शिविरों में सभी भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी। मनिका ने केवल तीन दिन सोनीपत में शिविर में भाग लिया जबकि शिविर तीन सप्ताह तक चला था।

सिंधू की चियुंग के खिलाफ छठी जीत, प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

टोक्यो (एजेंसी)।

गत विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां ग्रुप जे में हांगकांग की एनवाई चियुंग को हराकर टोक्यो ओलंपिक की महिला एकल बैडमिंटन स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधू ने दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी चियुंग को 35 मिनट चले मुकाबले में 21-9 21-16 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। सिंधू की चियुंग के खिलाफ 6 मुकाबलों में यह छठी जीत है। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू प्री-क्वार्टर फाइनल में ग्रुप आई में शीर्ष पर रहने वाली डेनमार्क की दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट से भिड़ेंगी। सिंधू का ब्लिचफेल्ट के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 4-1 है। डेनमार्क की खिलाड़ी ने सिंधू के खिलाफ एकमात्र जीत इस साल थाईलैंड ओपन में दर्ज की थी। हैदराबाद की छठी वरीय खिलाड़ी सिंधू ने अपने पहले मैच में इजराइल की सेनिया पोलिकार्पोवा को हराया था। सिंधू ने अपने विविध शॉट और गति में परिवर्तन करने की काबिलियत से चियुंग को पूरे कोर्ट पर दौड़ाकर परेशान किया। चियुंग ने अपने क्रॉस कोर्ट रिटर्न ने कुछ अंक हासिल किए लेकिन हांगकांग की खिलाड़ी ने काफी सहज गल्तियां की जिससे वह सिंधू पर दबाव बनाने में विफल रही। सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए स्कोर 6-2 किया और फिर 10-3 की बढ़त हासिल की। वह ब्रेक के समय 11-5 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधू ने दबदबा बनाते हुए अपनी बढ़त को 20-9 किया और चियुंग के नेट पर शॉट मारने के साथ पहला गेम जीत लिया। चियुंग ने दूसरे गेम में बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने सिंधू को रैली में उलझाया और दोनों खिलाड़ी 8-8 से बराबर चल रही थी। सिंधू ने इस दौरान चियुंग के शॉट को परखने में भी गलती की और फिर बाहर शॉट मारकर ब्रेक के समय हांगकांग की खिलाड़ी को एक अंक की बढ़त दे दी। चियुंग ने दबाव डालने का प्रयास किया लेकिन सिंधू ने दमदार स्मैश और बेहतर शॉट के साथ 19-14 की बढ़त बना ली। सिंधू को छह मैच प्वाइंट मिले। उन्होंने एक शॉट बाहर मारा और एक नेट पर उलझाया लेकिन फिर स्मैश के साथ मैच जीत लिया। बी साई प्रणीत ग्रुप डी के अपने दूसरे और अंतिम पुरुष एकल मैच में आज नीदरलैंड के एम कालजोव से भिड़ेंगे। मंगलवार को चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ग्रुप ए में बेन लेन और सीन वैंडी की इंग्लैंड की जोड़ी को हराकर तीन में से दो मुकाबले जीतने के बावजूद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी।

विनेश फोगाट वीजा के कारण तोक्यो के लिए उड़ान लेने से चूकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीदों में से एक पहलवान विनेश फोगाट मंगलवार को फ्रैंकफर्ट से तोक्यो के लिए अपनी उड़ान नहीं ले पायी क्योंकि उनके यूरोपीय संघ (ईयू) के वीजा की अवधि एक दिन पहले ही खत्म हो गई थी। खेलों से पहले हंगरी में अपने कोच वॉलर अकोस के साथ प्रशिक्षण ले रही विनेश को मंगलवार रात तोक्यो पहुंचना था, लेकिन जापान की राजधानी के लिए कनेक्टिंग विमान में चढ़ने से पहले उन्हें फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर रोक दिया गया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सूत्रों ने हालांकि बताया कि इस मुद्दे को सुलझा लिया गया है और वह बुधवार को तोक्यो पहुंच जाएंगी। सूत्र ने बताया, ‘यह एक भूल थी और जानबूझकर ऐसा नहीं किया गया था। उनका वीजा 90 दिनों के लिए मान्य था लेकिन बुडापेस्ट से फ्रैंकफर्ट पहुंचने पर पता चला कि वह 91 दिनों के लिए यूरोपीय संघ (के क्षेत्र) में थी।’ सूत्र ने कहा, ‘भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने इस मामले को तेजी से उठाया। जिसके बाद फ्रैंकफर्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास मामले को सुलझाने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंच गया। विनेश कल तोक्यो में होंगी।’ विनेश ने इन खेलों के लिए फिजियो के एक्रीडिटेशन की मांग की थी। वह आज रात फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे के एक होटल में रुकेंगी और स्थानीय (जर्मन) समयानुसार दोपहर 12.15 बजे तोक्यो के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा, ‘उसने हवाई अड्डे पर ताजा आरटी-पीसीआर जांच भी करवाई है क्योंकि उसके आगमन में एक दिन की देरी है (इन खेलों के लिए प्रस्थान घंटे से पहले की जांच रिपोर्ट की जरूरत होती है)।

टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची पूजा

टोक्यो।

भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी 75 किग्रा वर्ग में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। पूजा ने अल्जीरिया की इचरक चाएब को 5-0 से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाय। पूजा पूरे मुकाबले के दौरान अपने से अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहीं। दो बार की एशियाई चैम्पियन रहीं पूजा ने अपने प्रहारों से मुक्कों से अल्जीरियाई मुक्केबाज को कोई अवसर नहीं दिया। पूजा को इचरक के रिंग में संतुलन की कमी से भी लाभ मिला। तीनों राउंड में रानी का दबदबा रहा जबकि इजरक एक भी प्रहार सही से नहीं कर पायीं। रानी ने विपक्षी से दूरी बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया। रानी ने पूरी बाउट के दौरान जवाबी हमले किए। वही इचरक ने भी मुक्के बरसाने के प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुई। रानी अब 31 जुलाई को क्वॉर्टर फाइनल में ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता और दो बार की एशियाई चैम्पियन और पूर्व विश्व स्वर्ण पदक विजेता चीन की लि कियान से खेलेंगी। चीनी का पूजा के खिलाफ अच्छा रिकार्ड रहा है, इसलिए यह मुकाबला भारतीय मुक्केबाज के लिए आसान नहीं रहेगा। वह भारतीय मुक्केबाज को 2014 एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में और पिछले साल जोर्डन में एशियाई ओलिंपिक क्वॉलिफायर में भी हरा चुकी हैं। वहीं अब गुरुवार को छह बार की विश्व चैम्पियन एमसी मेरीकॉम (51 किग्रा) का मुकाबला प्री-क्वॉर्टरफाइनल में कोलंबिया की इनग्रिट वालेंसिया को होगा। इसके अलावा पुरुषों के वर्ग में पदार्पण कर रहे सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक) प्री-क्वॉर्टर फाइनल चरण में जमैका के रिकार्डो ब्राउन का सामना करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए सहवाग और नेहरा ने बनाई भारत की प्लेइंग इलेवन

(एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 बस कुछ ही महीने दूर है और इसमें भाग लेने वाली सभी टीमों को अपनी छाप छोड़ने के लिए कमर कसनी होगी। विश्व कप का आयोजन 17 अक्टूबर से शुरू होगा जबकि फाइनल 14 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट यूएई और ओमान की स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में हो रहा है। इस बड़े टूर्नामेंट में भारत से उम्मीदें लगाई जा रही हैं और वीरेंद्र सहवाग और आशीष नेहरा ने भारतीय प्लेइंग इलेवन चुनी है। एक वेबसाइट से बात करते हुए उन्होंने सहवाग और नेहरा ने संयुक्त रूप से टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन चुनी। उन्होंने शीर्ष तीन स्थानों पर कप्तान विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल को चुना। विशेष रूप से कोहली और रोहित ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान भारत के लिए ओपनिंग की था। दोनों ने उचित सफलता का स्वाद चखा और कोहली ने टी20 विश्व कप में ओपनिंग का इशारा भी दिया था। इसी को ध्यान में रखते हुए सहवाग और नेहरा ने केएल राहुल को तीसरे नंबर पर रखा। चौथे नंबर पर ऋषभ पंत को रखा गया जो टीम के विकेटकीपर भी हैं। दक्षिणपूर्वी हाल ही में एक रोल पर रहा है और दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने उसे यूएई में चमकने के लिए समर्थन दिया है। सूर्यकुमार यादव क्रम में अगले खिलाड़ी हैं और बहुत से लोग उन्हें टी20 विश्व कप में देखना चाहते हैं। यादव ने अपने छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर में सभी को प्रभावित किया है। इसलिए चयनकर्ता श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और ईशान किशन से आगे उन्हें पसंद कर सकते हैं। ऑलराउंडरों की बात करें तो हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। पांड्या हाल ही में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं रहे हैं, लेकिन उनकी मैच जीतने वाली क्षमताओं का उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। जडेजा जहां सभी विभागों में योगदान दे सकते हैं, वहीं सुंदर की उपस्थिति गेंदबाजी लाइन-अप को गहराई देगी। यह (सुंदर) ऑफ स्पिनर डेथ ओवरों में किफायती गेंदबाजी भी कर सकते हैं। युजवेंद्र चहल टीम में दूसरे स्पिनर थे जबकि भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह को तेज गेंदबाज के रूप में नामित किया गया था। ये सभी गेंदबाज सर्वश्रेष्ठ टी20 स्टार हैं और टी20 विश्व कप में चमकने के लिए उतावले होंगे।

टी 20 विश्व कप 2021 के लिए वीरेंद्र सहवाग और आशीष नेहरा की भारतीय प्लेइंग इलेवन : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, भुवी कुमार, जसप्रीत बुमराह, युजवेंद्र चहाली

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर किसान की बेटी की डॉक्टर बनने में करेंगे मदद

मुंबई। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने फिर से परोपकार की अपनी भावना दिखाते हुए एक गरीब किसान की बेटी दीप्ति विश्वासराव का चिकित्सा की पढ़ाई करने का सपना पूरा करने में मदद की। एक गैर सरकारी संगठन सेवा सहयोग फाउंडेशन ने ट्वीट किया कि रत्नागिरी के जायरे गांव की दीप्ति विश्वासराव अब अपने गांव की पहली चिकित्सक बनने के लिए तैयार है। सचिन तेंदुलकर का आभार। उसका (दीप्ति) चिकित्सा कॉलेज में जाने का सपना अब पूरा होने जा रहा है। दीप्ति और कई अन्य विद्यार्थियों की यात्रा का हिस्सा बनने के लिए सचिन आपका आभार। इस ट्वीट के साथ साझा किए गए वीडियो में दीप्ति ने भी तेंदुलकर के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। तेंदुलकर ने इस संदर्भ में कहा कि दीप्ति की यात्रा किसी का सपनों का पीछा करने और उन्हें हकीकत में बदलने का शानदार उदाहरण है। उनकी कहानी कई अन्य को भी अपने लक्ष्य हासिल करने के लिये प्रेरित करेगी। दीप्ति को भविष्य के लिये मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल सबसे ज्यादा देखा गया : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि साउथम्पटन में जून में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल सभी श्रृंखलाओं में सबसे अधिक देखा गया मुकाबला था। आईसीसी के अनुसार यह टेस्ट मैच 18 से 23 जून के बीच खेला गया और 89 क्षेत्रों में इस मुकाबले का सीधा प्रसारण देखने वालों की कुल संख्या 13 करोड़ छह लाख की थी। भारत से इस मुकाबले को सबसे अधिक दर्शकों ने देखा। इस मुकाबले को कुल संख्या के 94.6 फीसदी दर्शकों ने देखा। इस मुकाबले का हिंदी , अंग्रेजी फीड के अलावा स्थानीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में भी प्रसारण किया था। न्यूजीलैंड की कम जनसंख्या के बाद भी वहां भारी तादाद में यह मुकाबला देखा गया। न्यूजीलैंड के दो लाख से अधिक लोगों ने अपनी टीम को जीत के साथ ही प्रतिष्ठित टेस्ट गदा उठाते हुए देखा। इंग्लैंड में भी डब्ल्यूटीसी चक्र में यह ऐसा मुकाबला था मेजबान टीम नहीं थी पर इसके बाद भी इसे रिकार्ड लोगों ने देखा। रिजर्व दिन का खेल इंग्लैंड की गैरमौजूदगी वाले टेस्ट में 2015 से सबसे अधिक लोगों ने देखा।मुख्य प्रसारण बाजारों के अलावा आईसीसी टीवी पर 145 से अधिक क्षेत्रों में 6,65,100 अतिरिक्त लोगों ने सीधा प्रसारण देखा। सीधा प्रसारण कुल मिलाकर एक करोड़ 40 लाख मिनट तक देखा गया। मैच के दौरान आईसीसी के डिजिटल मंच पर सभी तरह की वीडियो सामग्री को 50 करोड़ से अधिक दर्शक मिले। आईसीसी की डिजिटल संपत्तियों में फेसबुक पर सबसे अधिक 42 करोड़ 30 लाख दर्शक मिले। आईसीसी पेज पर 36 करोड़ 80 लाख मिनट तक दर्शकों ने वीडियो देखे। रिजर्व दिन के खेल ने आईसीसी के फेसबुक पेज पर एक दिन में सर्वाधिक दर्शकों का रिकॉर्ड बनाया। 24 घंटे के दौरान छह करोड़ 57 लाख लोगों ने वीडियो देखे।

जापान की गर्मी से परेशान हुए मेदवेदेव, कहा- मैं यहां मर सकता हूं

टोक्यो (एजेंसी)।

रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) के दानिल मेदवेदेव को पुरुष एकल टेनिस में इटली के फाबियो फोगनिनी के खिलाफ जीत के दौरान बुधवार को यहां तेज गर्मी और उमस के कारण जूझना पड़ा। मेदवेदेव ने मुकाबले के दौरान दो मेडिकल टाइम आउट लिए और एक बार उनके ट्रेनर को कोर्ट पर आना पड़ा। वह अंकों के बीच में अपने रैकेट के सहारे आराम करते दिखे। आरियाके टेनिस पार्क पर बुधवार को उमस और गर्मी से मेदवेदेव को जूझते देखकर चेयर अंपायर कार्लोस रामोस ने उनसे पूछा कि क्या वह खेलना जारी रखेंगे, जिस पर उन्होंने कहा कि मैं मैच खत्म कर सकता हूं लेकिन मैं मर सकता हूं। अगर मैं मर गया तो क्या आप जिम्मेदार होंगे? दूसरे वरीय मेदवेदेव हालांकि फोगनिनी को 6-2, 3-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। मेदवेदेव को इस मुकाबले से उबरने में समय लगेगा और सवाल उठ रहे कि आखिर आयोजकों ने मेदवेदेव और शीर्ष वरीय नोवाक जोकोविच जैसे खिलाड़ियों के सभी टेनिस मैच शाम को कराने के आग्रह को क्यों नहीं माना। सुबह बारिश के विलंब के बाद तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया लेकिन गर्मी के इंडेक्स के अनुसार 37 डिग्री सेल्सियस जितनी गर्मी महसूस हो रही थी। मेदवेदेव और फोगनिनी को दूसरे और तीसरे सेट के बीच में 10 मिनट के लिए कोर्ट छोड़ने की इजाजत दी गई थी। बेहद तेज गर्मी का नियम लागू करके ऐसा किया गया। मेदवेदेव पदक दौर में जगह बनाने के लिए स्पेन के छठे वरीय पाब्लो करेनो बुस्ता से भिड़ंगे जिन्होंने जर्मनी के डोमीनिक कोएफर को 7-6, 6-3 से हराया। महिला एकल में चौथी वरीय युक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने इटली के कैमिला जॉर्जी को 6-4, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय एश बार्टी, दूसरी वरीय नाओमी ओसाका और तीसरे नंबर की एरिना सबालेंका के हारने के बाद स्वितोलिना टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी बची हैं।

तीरंदाज तरुणदीप राय ‘शूट ऑफ’ में हारकर ओलंपिक से बाहर

तोक्यो। भारत के अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय अपनी बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रहे और तोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग के दूसरे दौर में बुधवार को यहां अपने से कम रैंकिंग के इजराइली खिलाड़ी इताय शैनी से ‘शूट ऑफ’ में 5-6 से हार गए। विश्व में 54वें नंबर के राय मैच में अंतिम सेट से पहले 5-3 से आगे थे लेकिन दुनिया के 92वें नंबर के खिलाड़ी शैनी ने अंतिम सेट जीतकर स्कोर 5-5 से बराबर किया और ‘शूट ऑफ’ में ‘परफेक्ट 10’ जमाकर अगले दौर में जगह बनाई। रॉय शूट ऑफ में नौ अंक ही बना सके। इससे राय का तोक्यो ओलंपिक का सफर भी समाप्त हो गया। भारत की उम्मीदें अब व्यक्तिगत वर्ग में दीपिका कुमारी, अतनु दास और प्रवीण जाधव पर टिकी हैं। अपना तीसरा ओलंपिक खेल रहा सेना का यह 37 वर्षीय तीरंदाज इजराइली खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट 24-28 से गंवा बैठा लेकिन उन्होंने अगले सेट में एक ‘परफेक्ट 10’ लगाकर 27-26 से जीत दर्ज करके अच्छी वापसी की। तीसरे सेट में रॉय ने 10 के स्कोर से शुरुआत की लेकिन दूसरी सीरीज में वह केवल आठ अंक बना पाये जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। इस सेट में स्कोर 27-27 से बराबर रहा। राय ने चौथे सेट में भी ‘परफेक्ट 10’ बनाकर 28-27 से जीत दर्ज करके 5-3 की बढ़त बना दी लेकिन इजराइल के खिलाड़ी ने दो बार 10 का स्कोर बनाकर छठे सेट को अपने नाम करके मैच को शूट ऑफ तक खींच दिया था। राय ने इससे पहले यूक्रेन के ओलेक्सी हनबिन के खिलाफ 6-4 से रोमांचक जीत दर्ज करके दूसरे दौर में जगह बनायी थी। यूक्रेनी खिलाड़ी से वह एक समय 2-4 से पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने ‘परफेक्ट 10’ के तीन स्कोर बनाकर आखिरी दो सेट जीते और मैच अपने नाम किया।

फाइनल में नहीं पहुंच पाए नौकाचालक अर्जुन और अरविंद

टोक्यो। भारतीय नौकाचालक अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह बुधवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में छठे और आखिरी स्थान पर रहकर नौकायन के पुरुषों के लाइटवेट डबल स्कल्स के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। अर्जुन और अरविंद ने सी फोरेस्ट वाटरवे में छह टीमों के दूसरे सेमीफाइनल में छह मिनट 24.41 सेकेंड का समय लिया और यह भारतीय जोड़ी अंतिम स्थान पर रही। दोनों सेमीफाइनल में चोटी पर रहने वाली 3-3 टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करती हैं। अर्जुन और अरविंद का सेमीफाइनल में पहुंचना ओलंपिक में भारतीयों नौकाचालकों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये दोनों शनिवार को अपनी हीट में पांचवें स्थान पर रहे थे। इससे इन दोनों ने अपने लिये कम से कम 12वां स्थान पक्का कर दिया था।

तोक्यो से सबक सीखा, अपनी तकनीक पर काम करूंगी : तलवारबाज भवानी

मुंबई (एजेंसी).

ओलंपिक में पदार्पण करने वाली भारत की एकमात्र तलवारबाज भवानी देवी भले ही दूसरे दौर से बाहर हो गयीं और उनका कहना है कि तोक्यो में सबक सीख लिया है और भविष्य में नयी ऊंचाईयां छूने के लिये अपनी तकनीक पर काम करेंगी। भवानी पहली भारतीय तलवारबाज हैं जिन्होंने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। 27 साल की इस तलवारबाज ने ट्यूनीशिया की नाडिया बेन अजीजी के खिलाफ 15-3 की जीत से अभियान शुरू किया लेकिन अगले दौर में वह फ्रांस की मैनन ब्रुनेट से 7-15 से हार गयीं। भवानी ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ‘‘तोक्यो से मैंने एक सबक सीखा है कि कड़ी मेहनत जारी रखो क्योंकि मैंने रियो के बाद कड़ी मेहनत जारी रखी जो मुझे तोक्यो ले आयी। मुझे तलवारबाजी की कुछ रणनीतियों में जैसे तकनीकी पहलुओं पर काम करके सुधार करने की जरूरत है।’’

उन्होंने कहा, ‘‘मुझे मेरे मैचों के लिये अच्छा फीडबैक मिला क्योंकि मैं बाहर के दबाव पर अच्छा नियंत्रण बनाये थी, यही चीज मेरे लिये अच्छी है। मैं कड़ी मेहनत जारी रखूंगी और आगामी प्रतियोगिताओं में पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर नतीजे हासिल करूंगी।’’ भवानी ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक में उन्होंने जो कुछ हासिल किया, वह उससे संतुष्ट हैं।उन्होंने कहा, ‘‘पहला मैच काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि यह शुरूआत थी। मैं मैच से पहले थोड़ा नर्वस महसूस कर रही थी। लेकिन मैंने शुरूआत की और अच्छा अंत किया, साथ ही दूसरा मैच भी मेरे लिये अच्छा था। मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैंने कोशिश नहीं की, मैंने कोशिश की थी।’’

उन्होंने कहा, ‘‘मुझे सुधार करने की जरूरत है।

मैं जानती हूं कि वह (उनकी प्रतिद्वंद्वी) तीसरे नंबर की तीरंदाज थी और उसे ओलंपिक में कांस्य पदक मिला। लेकिन मुझे लगा कि मैंने कोशिश की थी, मैंने उस मैच को जीतने के लिये पूरा जतन किया। इसलिये मुझे अपनी रणनीतियों पर थोड़ा काम करने की जरूरत है लेकिन तोक्यो में जो कुछ हुआ, उससे मैं सतुष्ट हूं।’’

भारतीय महिला हॉकी टीम लगातार तीसरा लीग मैच हारी, ब्रिटेन ने 1-4 से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय महिला हॉकी टीम को दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद धीमी शुरुआत का खामियाजा ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1-4 की हार के साथ भुगतना पड़ा जो तोक्यो ओलंपिक की महिला हॉकी स्पर्धा के पूल ए में उसकी लगातार तीसरी हार है। गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन की ओर से हेना मार्टिन (दूसरे और 19वें मिनट) ने दो जबकि लिली आउस्ले (41वें मिनट) और ग्रेस बाल्सडन (57वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। दुनिया की 11वें नंबर की टीम भारत की ओर से एकमात्र गोल शर्मिला देवी (23वें मिनट) ने किया। भारत को इससे पहले विश्व में नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ 1-5 और जर्मनी के खिलाफ 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय टीम को पूल ए में अपने अंकों का खाता खुलने का अब भी इंतजार है। भारत छह टीमों के पूल में पांचवें स्थान पर है। टीम को अगर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अपने अंतिम दो मैचों में आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत करने वाली विश्व में पांचवें नंबर की ग्रेट ब्रिटेन की टीम ने जर्मनी के खिलाफ 1-2 की हार से शुरुआत करने के बाद लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम के तीन मैचों में छह अंक हो गए हैं। भारत को धीमी शुरुआत का खामियाजा भुगतना पड़ा।

अंतिम दर्शन करने गुजरात आएंगे दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल

अहमदाबाद ।

सोखड़ा स्वामी नारायण मंदिर के स्वामी हरि प्रसाद को श्रद्धांजलि देने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया गुरुवार को गुजरात आएंगे । हरि प्रसाद स्वामी (८७) का सोमवार रात्रि निधन हो गया था । उनका पार्थिव देह सोखडा में अंतिम दर्शन करने के लिए रखा गया है । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल भी श्रद्धांजलि देने सोखड़ा जाएंगे । हरि प्रसाद स्वामी का बड़ोदरा के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था सोमवार मध्यरात्रि उनका निधन हो गया था । उन्होंने योगी डिवाइन सोसायटी की स्थापना की थी तथा शिक्षा के क्षेत्र में काफी योगदान दिया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि हरि प्रसाद स्वामी ने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया । समाज में शिक्षा के प्रति अलख जगाने तथा नशा जैसी बुराई के खिलाफ उन्होंने अहम योगदान किया । आम आदमी पार्टी (आप) के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को सोखड़ा (वडोदरा) आएंगे । स्वामी नारायण संप्रदाय में पाटीदार समुदाय की गहरी आस्था है तथा आम आदमी पार्टी पाटीदार समाज पर अगले चुनाव में दांव आजमाने का प्रयास कर रही है, इस लिहाज से केजरीवाल की यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। गौरतलब है कि गुजरात में सूरत की आम आदमी पार्टी (आप) की महिला पार्षद ने अपने पूर्व पति चिराग दुधागरा पर पैसे लेकर भाजपा में शामिल होने का दबाव डालने का आरोप लगाया है । सूरत महानगर पालिका में आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने वाली रीता दुधागरा ने पत्रकारों को बताया कि उसके पति २५ लाख रुपये लेकर भाजपा में शामिल हुए हैं, वह अब उस पर भी तीन करोड़ रुपये लेकर भाजपा में शामिल होने का दबाव डाल रहा है । रीता ने बताया कि पति की हरकतों से परेशान होकर वह कुछ समय पहले ही अपने पति से अलग हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उसका पूर्व पति उस पर भाजपा में शामिल होने का दबाव डाल रहा है। हालांकि रीता ने पैसे लेकर पूर्व पति के भाजपा में शामिल होने या उसे तीन करोड़ रुपये का ऑफर दिए जाने का कोई सुबूत पेश नहीं किया। वहीं, चिराग दुधागरा का कहना है कि उसकी पत्नी के किसी और के साथ संबंध हैं और उसके वीडियो भी बनाए गए हैं। इन बातों को छिपाने के लिए वह ऐसे आरोप लगा रही है।

अब से परीक्षा कब देना यह विद्यार्थी निश्चित करेंगे

सूरत ।

यदि सब कुछ ठीक रहा तो, वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को हर महीने परीक्षा दे सकते है । इस दौरान वीएनएसजीयू के सिन्डिकेट और एकेडेमिक काउंसिल ने न्यू ऑन डिमांड एक्जाम सिस्टम की पद्धति तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है । यदि इस हकीकत में बदल गया तो वीएनएसजीयू देश में ऐसी सिस्टम को मंजूरी देने का यूनिक रिकॉर्ड बनेगा, जिसके लिए तैयारियां पहले से ही शुरू हो गई है । कार्यपद्धति निश्चित करने के लिए वाइस-चांसेलर द्वारा कमेटी की नियुक्ति की जाती है। यह सिस्टम विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक सत्र या कोर्स या रोजगार लेने में कम से कम ९ महीने बचाने में तय करेंगे । शुरूआत के दौर में, सिस्टम सिर्फ उसी विद्यार्थियों के लिए लायी जा रही है जो परीक्षा में फेल हुए है । ओडीई हालांकि, रेग्युलर विद्यार्थियों के लिए लाभदायी नहीं होगा । प्रत्येक कोर्स जरूरी समय की आवश्यकता के अनुसार कोई विद्यार्थी कोर्स का समय पूरा हो उसके पहले परीक्षा नहीं दे सकता था । पहले जो विद्यार्थी फेल होते थे उनको आगामी सेमेस्टर की परीक्षा देने के लिए कम से कम छह महीने और परिणाम की घोषणा बाद एक महीने का इंतजार करना पड़ता था। यदि विद्यार्थी फिर से फेल हुआ तो वह आगामी सेमेस्टर की परीक्षा दे सकता है।

गुजरात में कोरोना की दूसरी लहर पर पूरी तरह काबू

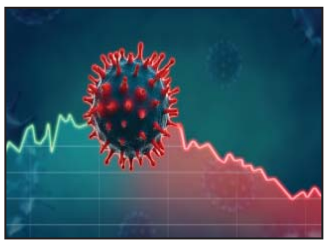

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना की दूसरी लहर पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है पिछले करीब १० दिन से गुजरात में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि गुजरात में कोरोना के दूसरे लहर में उल्लेखनीय काम किया है तथा सरकार ने संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर रखी है। गुजरात में कक्षा ९ से १२वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए स्कूलों को खोल दिया गया है तथा सरकार अब उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए भी स्कूल खोलने की लिए विचार करेगी । शिक्षा मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ास्मा ने खुद बताया कि सरकार कोरोना संक्रमण के कम होने के बाद शिक्षण संस्थाओं को खोल रही है तथा छोटे बच्चों के लिए भी गाइडलाइन के साथ स्कूल खोलने पर विचार कर रही है । गुजरात में मंगलवार को पिछले २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के ३० मामले दर्ज हुए जबकि राज्य में कहीं पर भी कोरोना से मौत दर्ज नहीं हुई । गुजरात में कोरोना से अब तक ८ लाख २४७७४ लोग संक्रमित हुए उनमें से ८ लाख १४४१३ लोग लोग स्वस्थ होकर घर पहुंच गए हैं। गुजरात में सक्रिय केसों की संख्या २८५ हैं जबकि वेंटिलेटर पर ५ मरीज स्वास्थ्य सेवाएं ले रहे हैं। पिछले २४ घंटे में सूरत महानगर पालिका में ८, अहमदाबाद में चार, वडोदरा में तीन, राजकोट में दो, तथा जामनगर महानगर पालिका में कोरोना का एक केस दर्ज किया गया । राज्य के विभिन्न जिलें में कोरोना के केस इस प्रकार हैं सूरत में ३, मेहसाणा पंचमहाल में दो-दो, अमरेली, आणंद, जामनगर, कच्छ, वडोदरा में एक एक केस दर्ज हुआ । राज्य के २५ जिले ऐसे हैं जहां कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ इनमें अहमदाबाद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरूच, भावनगर, बोटाद, छोटा उददपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गीर सोमनाथ, जूनागढ़, खेड़ा, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पाटण, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सुरेंद्रनगर, तापी तथा वलसाड जिला शामिल है।

गुजरात की पहली, भारत की चौथी लाइसेंसशुदा महिला स्काईडाइवर

अहमदाबाद ।

गुजरात हाईकोर्ट ने १३ वर्ष की बेटी और कनाडा में रहते इसके पिता के बीच की बातचीत बंद कराने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि मनोविज्ञानी ने कोर्ट को बताया कि पिता और बेटी के बीच की बातचीत की वजह से बच्चे के दिमाग पर नकारात्मक असर होता है। यह रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने बातचीत बंद कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कनाडा में रहते पिता को आदेश दिया था कि वह बेटी से संपर्क करने का प्रयास नहीं करे । इसके अलावा जस्टिस विनीत कोठारी और जस्टिस बीएन. कारिया की पीठ ने बताया कि, बेटी की उम्र १८ वर्ष हो जाएगी बाद में वह खुद निर्णय ले सकती है इसने पिता का संपर्क करना है कि नहीं और पिता से रिश्ता रखना है कि नहीं । वकील अभिष्ट ठाकर के बताये अनुसार यह कपल परस्पर सहमति के साथ २०१५ में अलग हो गये थे और मां को बेटी की कस्टडी मिली थी । बेटी को मिलने का अधिकार पिता को भी दिया गया था । उल्लेखनीय है कि पिता को बेटी के साथ बात करने की और वेकेशन के दौरान इसे कनाडा ले जाने की मंजूरी दी गई थी । तलाक के बाद महिला ने एक व्यापारी के साथ शादी की और उत्तर गुजरात में स्थायी हो गई। बेटी भी दूसरे पिता के परिवार के साथ रहती है । महिला के दूसरे पति पहले शादी से दो बच्चे है यह भी यह परिवार के साथ रहते है । उल्लेखनीय है कि तलाक के कुछ वर्षों तक पिता ने बेटी का संपर्क नहीं किया । इसके बाद उन्होंने बेटी को मिलने का प्रयास किया और अपने मुलाकात के अधिकार का उपयोग करने की इच्छा रखकर लेकिन फैमिली कोर्ट ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया । बच्ची की मां ने कोर्ट में अर्जी की थी कि अपने पिता के साथ बात करने के बाद बेटी मानसिक रूप से परेशान हो जाती है । इसी वजह से पिता की बेटी को कनाडा ले जाने की अर्जी को खारिज की गई थी ।

सूदखोरों से परेशान होकर बुजुर्ग द्वारा आत्महत्या का प्रयास

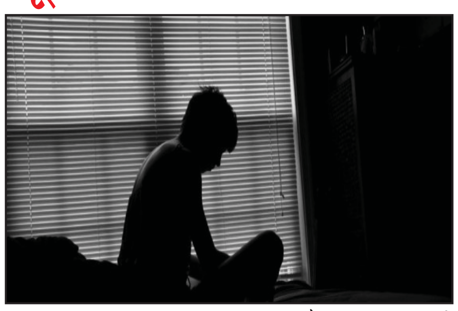

बुजुर्ग का इलाज चल रहा है, आत्महत्या करने से पहले बुजुर्ग व्यक्ति ने एक विडियो के द्वारा अपनी वेदना व्यक्त की

नवसारी ।

सूदखोरों के आतंक से परेशान होकर कई लोग मौत को गले लगा लेते हैं । ऐसे मामले अक्सर पुलिस चोपडे में दर्ज होते है। अब नवसारी में सूदखोरों के आतंक से एक बुजुर्ग व्यक्ति ने आत्महत्या का प्रयास किया है । फिलहाल अस्पताल में बुजुर्ग का इलाज चल रहा है। आत्महत्या करने से पहले बुजुर्ग व्यक्ति ने एक विडियो के द्वारा अपनी वेदना व्यक्त की। सूदखोरों ने बुजुर्ग व्यक्ति तथा इसके परिवार को जान से मार देने की धमकी दी थी। यह विडियो वायरल हुआ है । पुलिस ने यह मामले में सूदखोरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, निर्माणकाम काम करते विजलपोर के बुजुर्ग व्यक्ति ने सूदखोरों के आतंक से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास किया है । सूदखोर अक्सर धमकी देते होने से बुजुर्ग ने अपने घर में जहरीली दवाई पी ली ।

जहरीली दवाई पीने से पहले बुजुर्ग व्यक्ति ने एक विडियो के द्वारा अपनी वेदना व्यक्त की । यह विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है । यह मामले में विजलपोर पुलिस ने बुजुर्ग व्यक्ति के परिवारों के बयान दर्ज किए। जिसके बाद में पुलिस ने तीन सूदखोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। सूदखोरों ने आत्महत्या का प्रयास करने वाले बुजुर्ग से कुल २५ लाख रुपये की मांग करते थे । जिसमें से दीपक शर्मा नाम के सूदखोर ने २० लाख रुपया और गीरीराज शर्मा उर्फ दाढी ने ५ लाख रुपये की मांग की थी। इसके अलावा कंस्ट्रक्शन के व्यापार के साथ जुड़े हुए महेश शर्मा और इसके परिवार को मार देने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने इस मामले में गीरीराज उर्फ दाढी शर्मा, दीपक शर्मा और हरीओम शर्मा के खिलाफ अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है । आत्महत्या के प्रयास पहले बुजुर्ग ने विडियो वायरल करके अपनी वेदना व्यक्त की थी । जिसमें वह कह रहे है कि, उनके विरूद्ध सभी सबूत मेरी गाड़ी को डिकी में रखा है।

तलाकशुदा महिला को गर्भवती बनाने वाले को गिरफ्तार किया

राजकोट ।

आजकल वैवाहिक संबंध और प्रेम के नाम पर शारीरिक संबंध बनाकर धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे है। अब राजकोट में अकेली रहती २७ वर्ष की तलाकशुदा युवती को कोरोना काल में एक वृद्धा की सेवा करने की नौकरी मिली थी। इस दौरान नौकरी करते मूल सावरकुंडला का संजय उर्फ बीपिन नानजीभाई धमल के साथ पहचान होने के बाद दोनों के बीच प्रेम हुआ था । संजय ने मेरे पास पैसा जमा होंगे यानी कि शादी कर लेंगे ऐसी लालच देकर शारीरिक संबंध बनाया था। अब त्यक्ता गर्भवती हो जाने पर इसे छोड़कर संजय भाग जाने पर यूनिवर्सिटी पुलिस ने धोखाधड़ी और बलात्कार का अपराध दर्ज करके आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत में शिकार बनने वाली महिला के बताये अनुसार इसकी शादी चार वर्ष पहले २०१७ में हुई थी। लेकिन दो वर्ष पहले तलाक हुआ था । खुद को संतान नहीं है । हाल में खुद अकेली रहती है । दस महीने पहले कोरोना काल के समय खुद साधू वासवाणी रोड पर एक बंगले में एक वृद्धा की देखभाल रखने की नौकरी में जुड़ गई थी। यहां संजय उर्फ बीपीन भी मां का ध्यान रखने की नौकरी करते हो हमारे दोनों के बीच बातचीत के संबंध बन गये थे । बाद में हमारे बीच प्रेम हो गया । उस समय संजय रैया टेलिफोन एक्सचेन्ज के पास रहता था। तब किराया ज्यादा हो इसने शिकार बनने वाली महिला ने अपने घर के पास एक रुम खाली हो वहां रहने को कहने पर वह वहां रहने लगा था । बाद में इसने त्यक्ता को खुद इसके साथ शादी करना चाहता है ऐसी बातें की थी। प्रेम संबंध मजबूत होने पर दोनों ने पति-पत्नी जैसे रिश्ता बना लिया था । इसके बाद इसने शादी का कहने पर पैसा जमा हो बाद में शादी कर लूंगा यह कहता था । इसके बाद त्यकता गर्भवती हो जाने पर फिर से शादी का कहने पर संजय ने अब बच्चा हो जाए बाद में शादी कर लूंगा ऐसी बातें की थी।

गुजरात सरकार कक्षा-१ से ८ की कक्षाओं को शुरू करने की संभावना

गांधीनगर ।

राज्य में कोरोना के मामले में उल्लेखनीय कमी देखने को मिल रही है और महामारी भी अब नियंत्रण में है । इस बात को ध्यान में रखकर गुजरात सरकार आगामी दिनों में स्कूलों में कक्षा-६ से ८ की कक्षाओं को शुरू करने का निर्णय ले सकती है । कक्षा-६ से ८ के बाद कक्षा-१ से ७ के लिए निर्णय भी लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल में सरकार ने कक्षा-९ से १२ की कक्षाओं को शुरू करने की मंजूरी दी थी । राज्य सरकार के सूत्रों के बताये अनुसार, यदि कोरोना के केस नियंत्रण में रहेगा और तीसरी लहर की स्थिति पैदा नहीं हुई तो सरकार प्राइमरी और सेकेण्डरी स्कूलों की ऑफलाइन पढ़ाई अगस्त से शुरू करने का विचार है । यह संभावना के मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने बताया कि, हम आगामी कुछ दिनों में कक्षा-६ से ८ की कक्षाओं को शुरू करने का विचार कर रही है । यदि कोरोना के मामले में वृद्धि नहीं हुई तो कक्षा-एक से पांच की कक्षाओं को अगस्त के अंत तक शुरू कर दिया जाएगा।

हम रोजाना आंकड़ों को ध्यान में रखते है और केस की संख्या को ध्यान में रखकर क्लासरुम में शिक्षा की शुरूआत की जाएगी । इसके लिए कोरोना के नियमों का पालन करना होगा । उन्होंने आगे बताया है कि, सरकार ने कक्षा-९ से १२ की कक्षाओं और कॉलेजों की ऑफलाइन शिक्षा की मंजूरी दे दी है । हमें अच्छा सहयोग मिल रहा है । आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से कक्षा-६ से ८ और कक्षा एक से सात की कक्षाओं को शुरू किया जाएगा । उल्लेखनीय है कि कोरोना की पहली लहर के बाद राज्य सरकार ने स्कूलों और कॉलेजों को शुरू करने का प्रयास किया था लेकिन दूसरी लहर शुरू हो जाने की वजह से यह बंद की गई थी। हाल में राज्य सरकार ने पहले कॉलेजों को शुरू करने की मंजूरी दी, इसके बाद कक्षा-९ से १२ की कक्षाओं को शुरू करने की मंजूरी दी थी।

राज्य में आरटीपीसीआर टेस्ट का चार्ज घटाकर ४००

गांधीनगर ।

कोरोना की संभवित तीसरी लहर पहले गुजरात सरकार ने आरटीपीसीआर टेस्ट के चार्ज में कमी की है । उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने इस मामले में आज घोषणा करते हुए कहा कि, निजी लैब में यह टेस्ट का चार्ज अब से ४०० रुपया होगा । फिलहाल आरटीपीसीआर टेस्ट को निजी लैब द्वारा ७०० रुपया वसूला जाता है, जिसमें गुजरात सरकार ने ३०० रुपये की कमी को जारी किया है । यदि मरीज अस्पताल में हो या मरीज के घर से सैंपल कलेक्ट करने का हो तो इसका चार्ज ९०० रुपया से घटाकर ५५० रुपया निश्चित किया गया है । जबकि, सरकारी अस्पतालों में यह टेस्ट निशुल्क उपलब्ध है । विदेश से आते या जाते कोई भी पैसेन्जर यदि एयरपोर्ट पर टेस्ट कराना चाहते हो तो उनको इसके लिए २७०० रुपया चुकाना होगा । उल्लेखनीय है कि, कोरोना नया-नया आया तब यह टेस्ट के ४५०० रुपया लिया जाता था । मुख्यमंत्री ने बताया कि, कोरोना का उपचार करने के लिए सिटी स्केन भी बहुत ही महत्व का हिस्सा निभाता है।

अभी तक सिटी स्केन के लिए ३००० रुपया वसूला जाता था । जिसमें ५०० रुपया घटाकर २५०० रुपये का दर निश्चित किया गया है । जो भी सरकारी अस्पताल में यह मशीन उपलब्ध है । अब निशुल्क सिटी स्केन करके दिया जाएगा । इसके अलावा अलग-अलग जिले स्तर की सरकारी अस्पतालों के लिए नये १७ सिटी स्केन मशीन खरीदे जाएंगे यह भी नीतिन पटेल ने बताया।

जिसमें साणंद, बोटाद, डांग, छोटाउदेपुर, भरूच, गोधरा, जामखंभालिया, लुणावाडा, मेहसाणा, राजपीपला, सुरेन्द्रनगर, नवसारी, वेरावल, व्यारा, पेटलाद की सब डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, राजकोट की अस्पताल और वडोदरा की जमनाबाई अस्पताल में सिटी स्केन मशीन खरीदा जाएगा । जिसके लिए ८२.५० करोड़ रुपया आवंटित कराया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)